भीम प्रज्ञा अलर्ट

जब सच बोलना असहज लगे और चुप रहना आसान, उसी क्षण समझ लेना चाहिए कि सच बोलना ही सबसे ज़रूरी है–क्योंकि समाज की सबसे बड़ी हार अन्याय नहीं, उस पर साधी गई चुप्पी होती है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-75 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 4 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

मौन की कीमत : अधिकारों की रक्षा का नैतिक संघर्ष

समाज में अन्याय और अधिकारों का हनन कोई आकस्मिक घटना नहीं है, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है, जो तभी तक चलती रहती है जब तक उसके विरुद्ध प्रतिरोध की आवाज नहीं उठती। इतिहास गवाह है कि अत्याचार हमेशा बंदूक या लाठी से नहीं, बल्कि पीड़ित की चुप्पी से मजबूत हुआ है। जब कोई व्यक्ति अपने साथ हो रहे अन्याय पर मौन साध लेता है, तो वह केवल अन्याय को सहन नहीं करता, बल्कि अनजाने में उसे स्वीकार भी कर लेता है। यह मौन धीरे-धीरे व्यक्ति की मानसिक, नैतिक और सामाजिक चेतना को खोखला कर देता है। यहां पर बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। यह एक कड़वा सत्य है कि अधिकारों का हनन केवल बाहरी चोट नहीं देता, बल्कि आत्मा पर गहरे घाव छोड़ता है। जो व्यक्ति बार-बार अपमान, भेदभाव या अन्याय सहते हुए भी आवाज नहीं उठाता, वह भीतर से टूटने लगता है। उसकी आत्मविश्वास की नींव हिल जाती है, उसकी गरिमा घायल होती है और अंततः वह स्वयं को असहाय मानने लगता है। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है, बल्कि सामाजिक बीमारी का संकेत है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अधिकारों के प्रश्न पर अत्यंत स्पष्ट शब्दों में कहा था कि 'अधिकार मांगे नहीं जाते, छीने जाते हैं।' इस कथन का अर्थ हिंसा नहीं, बल्कि संघर्ष, चेतना और संगठित प्रतिरोध है। अधिकार तभी जीवित रहते हैं, जब उन्हें पाने और बचाने के लिए समाज सजग रहता है। बिना संघर्ष के अधिकार केवल संविधान के पन्नों तक सीमित रह जाते हैं। जैसे ही समाज अन्याय के सामने झुकता है, वैसे ही अधिकारों का क्षरण शुरू हो जाता है। जब अन्याय होता है, तो सबसे पहले हमारी अंतरात्मा हमें सचेत करती है। वह भीतर से आवाज देती है कि गलत का विरोध करो, अन्याय को स्वीकार मत करो। लेकिन जब हम सुविधा, भय या स्वार्थ के कारण उस आवाज को दबा देते हैं, तब हमारी नैतिक नींव कमजोर होने लगती है। यह नैतिक पीड़ा, जो चुपचाप सहने से जन्म लेती है, मनोवैज्ञानिक आघात का रूप ले लेती है। इसे 'आत्मा का घाव' कहा जा सकता है–ऐसा घाव जो दिखता नहीं, पर जीवन भर टीस देता है। मौन केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, यह सामाजिक अपराध भी बन जाता है। जब कोई व्यक्ति अपने अधिकारों के हनन पर चुप रहता है, तो वह शोषक को यह संदेश देता है कि उसका व्यवहार स्वीकार्य है। इससे अत्याचारी का मनोबल बढ़ता है और वह दूसरों पर भी वही अत्याचार करने का साहस करता है। इस तरह एक व्यक्ति की चुप्पी पूरे समाज के लिए खतरा बन जाती है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने वाला व्यक्ति केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के कमजोर तबके के लिए भी रास्ता खोलता है।

लोकतंत्र में नागरिकों का मौन सबसे बड़ा खतरा होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था केवल चुनावों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों से जीवित रहती है। यदि जनता अन्याय, भ्रष्टाचार और भेदभाव को देखकर भी चुप रहे, तो लोकतंत्र केवल एक औपचारिक ढांचा बनकर रह जाता है। इतिहास बताता है कि जब-जब समाज ने अन्याय के विरुद्ध सामूहिक आवाज उठाई है, तब-तब परिवर्तन संभव हुआ है–चाहे वह स्वतंत्रता संग्राम हो, सामाजिक सुधार आंदोलन हों या नागरिक अधिकारों की लड़ाई। यह भी सत्य है कि हर संघर्ष आसान नहीं होता। अधिकारों की मांग करने वालों को अक्सर धमकियों, सामाजिक बहिष्कार और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है। लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि डर के कारण चुप रहना अल्पकालिक राहत दे सकता है, दीर्घकालिक समाधान नहीं। चुप्पी अन्याय को स्थायी बनाती है, जबकि प्रतिरोध उसे चुनौती देता है। साहस का अर्थ भय का न होना नहीं, बल्कि भय के बावजूद सही के लिए खड़े होना है। आज आवश्यकता है कि समाज मौन की संस्कृति को तोड़े। अन्याय के विरुद्ध बोलना केवल नारेबाजी नहीं, बल्कि संवैधानिक और नैतिक कर्तव्य है। अधिकारों की रक्षा केवल अदालतों या संस्थानों का काम नहीं है, बल्कि हर जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी है। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के लिए खड़ा होता है, तो वह अपने आत्मसम्मान की रक्षा करता है; और जब समाज सामूहिक रूप से खड़ा होता है, तो न्याय की नींव मजबूत होती है।

अंततः यह समझना होगा कि मौन की कीमत बहुत भारी होती है। यह कीमत केवल व्यक्तिगत पीड़ा नहीं, बल्कि सामाजिक पतन के रूप में चुकानी पड़ती है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना जोखिम भरा हो सकता है, लेकिन चुप रहना आत्मा की हार है। न्याय और अधिकार तभी सुरक्षित रहेंगे, जब समाज का हर व्यक्ति यह संकल्प ले कि अन्याय के सामने वह खड़ा होगा–चुप नहीं रहेगा।

राहुल गांधी पर टिप्पणी को लेकर विधानसभा में हंगामा:सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित हुई,

डोटासरा और मंत्री में नोकझोंक

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । विधानसभा में मंगलवार को राज्यपाल के अ?भिभाषण पर बहस के दौरान भाजपा विधायक श्रीचंद कृपलानी की राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी को लेकर हंगामा हो गया। श्रीचंद कृपलानी ने कहा कि राहुल गांधी बिना छपे किताब को लेकर बेवजह आरोप लगा रहे हैं। राहुल गांधी में इतने ही लखण नहीं है। राहुल गांधी पर टिप्पणी को लेकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आपत्ति करते हुए कहा कि जो सदन का सदस्य नहीं है, उसका यहां जिक्र नहीं हो सकता। इसे लेकर सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच जमकर नोकझोंक हुई। सदन में हंगामे की स्थिति बन गई। हंगामे के चलते दो बार सदन की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। रात 8 बजे सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

डोटासरा और शिक्षा मंत्री में नोकझोंक

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बीच नोकझोंक हो गई। डोटासरा ने कहा कि शिक्षा मंत्रीजी शिक्षा का बंटाधार मत करो। शिक्षकों की पहले कुत्ते भगाने में ड्यूटी लगाई, इसके बाद रामकथा में ड्यूटी लगा दी। आपके स्कूलों का नामांकन घट गया, पौने दो लाख नामांकन कम हो गया। बीच सत्र तबादले कर दिए। पैसे का तो छोड़ दीजिए, 5000 का खेल कर सकता है वो कितना ही बड़ा कर सकता है।दिलावर ने डोटासरा पर पलटवार करते कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के सामने शिक्षकों ने कहा था डोटासरा पैसा खाते हैं। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने आपत्ति की, स्पीकर ने आरोपों को कार्यवाही से निकलवाने का आश्वासन दिया। डोटासरा ने कहा- मैं दिलावर के आरोपों को गंभीरता से नहीं लेता, इन्हें तो बनाया ही इस तरह के कबाड़े करने के लिए नहीं है। मेरे दादाजी ने कहा था कि बड़ा होकर कीचड़ में पत्थर मत फेंकना, क्योंकि उछलकर आप पर ही गिरेगा।

जोगाराम पटेल और जूली में वार-पलटवार

विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बीच नोकझोंक हो गई। नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस विधायक दीनदयाल बैरवा के साथ दौसा तहसीलदार की तरफ से किए गए खराब बर्ताव के मामले में कार्रवाई की मांग की। इस दौरान दोनों के बीच वार पलटवार चला। संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि कोई विधायक बात रख रहा हो तो उसके बीच में बोलना असंसदीय है, इसके लिए नेता प्रतिपक्ष की निंदा करनी चाहिए। जिस मुद्दे को विधिवत रूप से नहीं रखा जाता तब तक कार्रवाई कैसे होगी। सरकार विधायकों के सम्मान के प्रति गंभीर है। जूली ने कहा कि जिस इजाजत से आप बोले उसी से मैं बोला हूं आपके लिए स्पेशल कानून नहीं है। विधानसभा सभी विधायकों के लिए बराबर है। मैंने व्यवस्था का प्रश्न उठाया है तो सरकार को कार्रवाई करनी होगी।

पेपरलीक की 12 साल की सीबीआई जांच करवा लो

डोटासरा ने कहा- 2013 से लेकर 2017 में भी रीट सहित कई परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। मौजूदा सरकार के वक्त भी नीट, आरयू के पेपरलीक हुए, नवलगढ़ में आरएएस का पेपर खुला मिला। हमारे वक्त भी पेपर लीक हुए, हमने कार्रवाई की। कोई कमी रह गई तो आप कार्रवाई करो। आपमें अगर हिम्मत है तो 12 साल के पेपरलीक की सीबीआई जांच कवार लो,तो आपकी सरकार गिर जाएगी, मैं लिख कर दे रहा हूं। वसुंधराजी की जांच करो, रोजाना बात करने से कुछ नहीं होता । पेपरलीक से बच्चों का भविष्य बर्बाद नहीं हो, यह हमारा दायित्व होना चाहिए। एक दूसरे पर भाले फेंक रहे हो। शिक्षा मंत्री तो रोज मुझे जेल में भेज रहे हैं और मैं नहा धोकर रोज तैयार होता हूं और अभी तक जेल आई नहीं है।

सामाजिक न्याय की पाठशाला में उल्लेखनीय योगदान पर वरिष्ठ अध्यापक संदीप सैनी को मानद डॉक्टरेट

दिल्ली के संविधान क्लब में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में हुआ सम्मान, झुंझुनूं जिले का नाम रोशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

सामाजिक सेवा और सामाजिक न्याय की पाठशाला में निरंतर योगदान देने वाले झुंझुनूं जिले के वरिष्ठ अध्यापक संदीप सैनी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान सोमवार को नई दिल्ली स्थित संविधान क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्व संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण आयोग, सहभागिता केयर विलेज फाउंडेशन एवं साहित्य सेवा अवार्ड परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सेमिनार में देशभर से आए समाजसेवियों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि संदीप सैनी द्वारा शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों, समानता, पर्यावरण संरक्षण तथा समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों को देखते हुए उन्हें यह मानद उपाधि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि संदीप सैनी की पत्नी सुनीता सैनी द्वारा प्रगति कम्प्यूटर एंड साइंस एकेडमी का भी संचालन किया जा रहा है, जहां जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को रियायती एवं नि:शुल्क कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान की जाती है। इसके साथ ही वे अविनाश गहलोत फाउंडेशन के माध्यम से भी जिले में शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सम्मान ग्रहण करते हुए संदीप सैनी ने कहा कि 'मानवता की सेवा करना ही मेरा मुख्य उद्देश्य है। समाज के वंचित वर्ग को शिक्षा से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही मेरा संकल्प है।' इस सम्मान से जिलेभर में खुशी की लहर है। विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों एवं गणमान्य नागरिकों ने संदीप सैनी को बधाई देते हुए इसे झुंझुनूं जिले के लिए गर्व का विषय बताया है।

पिलानी के राहुल कटारिया का जयपुर में दमदार प्रदर्शन, फुल मैराथन में तीसरा स्थान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

पिलानी के होनहार धावक राहुल कटारिया ने जयपुर में आयोजित एयू बैंक फुल मैराथन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एलीट वर्ग में तृतीय स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राहुल को 25 हजार रुपये की इनामी राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। 01 फरवरी 2026 को जयपुर में आयोजित इस प्रतिष्ठित फुल मैराथन में देशभर के अनुभवी धावकों ने भाग लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच पिलानी खेल मैदान में नियमित अभ्यास करने वाले राहुल कटारिया ने बेहतरीन स्टैमिना और अनुशासन का परिचय देते हुए तीसरा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राहुल कटारिया के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं और प्रदेश को खेल जगत में नई पहचान दिलाते हैं। राहुल की इस सफलता पर पिलानी खेल मैदान में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर पार्षद राजकुमार नायक, कोच कमल नायक, एडवोकेट अमित चौधरी, पीटीआई राजन और करणवीर शर्मा ने मिठाई खिलाकर सम्मान किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में राहुल के पिता मदनलाल सैनी को भी सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि परिवार के सहयोग, संस्कार और निरंतर मेहनत का ही परिणाम है कि राहुल आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं।

प्रदेश में आवश्यकतानुसार नए अस्पताल व स्वास्थ्य संस्थान खोले और अपग्रेड किए जा रहे हैं- स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश में आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवश्यकतानुसार नए अस्पताल और स्वास्थ्य संस्थान खोले जा रहे हैं तथा मौजूदा संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है। राज्य सरकार शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि रेवाड़ी जिला के गांव लिसान तथा गांव करावरा मानकपुरा में एक-एक राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इन दोनों आयुर्वेदिक औषधालयों पर प्रत्येक पर लगभग 50 से 60 लाख रुपए की लागत आने का अनुमान है। इनके स्थापित होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में एलोपैथी के साथ-साथ आयुर्वेद, योग एवं अन्य आयुष सेवाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें, जिससे लोगों को इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों में न जाना पड़े। आने वाले समय में भी आवश्यकता के अनुसार नए स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना और मौजूदा संस्थानों के सुदृढ़ीकरण का कार्य लगातार जारी रहेगा।

वार्षिकोत्सव में वित्तीय साक्षरता कैंप व क्विज का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

पी.एम श्री सेठ हनुमानदास मानसिंहका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नवलगढ़ में वार्षिकोत्सव में नाबार्ड व भारतीय रिज़र्व बैंक के सहयोग से वर्ष 2026 के अंतर्गत वित्तीय साक्षरता केंद्र नवलगढ़ द्वारा बच्चो को साइबर फ्रॉड पर जागरूकता का सन्देश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी आत्माराम जी, भामाशाहगण, शिक्षकगण, अभिभावक व बच्चे मौजूद थे। वार्षिक उत्सव में आरोह फाउंडेशन से फाइनेंसीयल काउंसलर सुशील कुमार और असिस्टेंट फाइनेंस काउंसलर नितेश कुमार शर्मा के द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों को सुकन्या समृद्धि योजना व साइबर फ्रॉड से बचाव, व डिजिटल अरेस्ट जैसी जानकारी व साइबर अपराध की पहचान एवं 1930 हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से त्वरित शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई और आखिर में बच्चो के लिए क्विज प्रतियोगिता रखी गयी, जिसमे बच्चो से साइबर फ्रॉड से सम्बंधित प्रश्न पूछे गए और विजेता बच्चो को इनाम स्वरुप भेंट कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। विद्यालय परिवार की और से आरोह फाउंडेशन को धन्यवाद दिया गया और बच्चो को जागरूक करने के लिए सुशील कुमार व नितेश कुमार शर्मा के कार्य की सराहना की।

अनाधिकृत रूप से रह रहे रोहिंग्या व बंगलादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए चलाया गया विशेष सर्च अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । रेवाड़ी के पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन एवं डीएसपी हेडक्वार्टर डॉ रविन्द्र सिंह के सुपरविजन में कार्य करते हुए स्पेशल सेल इंचार्ज निरीक्षक रविन्द्र सिंह ने स्थानीय पुलिस व स्क्वॉड टीम के साथ मंगलवार को थाना शहर व माडल टाऊन क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बंगला देशी नागरिकों का पता लगाने के लिए एक विशेष सर्च अभियान चलाया। जिसके तहत जिला पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर विशेष सर्च अभियान चलाकर अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशी, विदेशी नागरिक, रोहिंग्या व संदिग्ध लोगों की जांच की गई। इस दौरान पुलिस टीम ने वहा पर रह रहे बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्र भी जांचे। अभियान के तहत पुलिस ने बाहरी लोगों की पहचान सुनिश्चित की

तथा संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की। इसके साथ ही पुलिस ने वाहनों के कागजातों की भी जांच की। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। जिला पुलिस द्वारा बाहरी लोगों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है और आगे भी इस तरह का अभियान लगातार जारी रहेगा। जिले में जो भी लोग बाहर से आकर रह रहे हैं उनकी पहचान सुनिश्चित होना अत्यंत आवश्यक है। सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम उठाए जा रहे हैं। सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र में सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार अप्रवासी रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करके उनको वापिस भेजने की प्रक्रिया अमल में लाई जावे।

पुलिस अधीक्षक की रेवाड़ी वासियो से अपीलः-

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने सभी जिला वासियों से अपील करते हुए कहा है कि सभी अपने पास काम करने वाले या किराए पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवा लें, हो सकता है कोई अपराधी या क्रिमिनल हो। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता तो उसके खिलाफ भी पुलिस द्वारा कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

केके सैनी के नेतृत्व प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली को वकीलों की समस्या को लेकर सोपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । उदयपुरवाटी प्रशासन की अक्रमणियता व अनदेखी से परेशान लोगो व अभिभाषक संघ द्वारा उदयपुरवाटी में सप्ताह भर से चल रहे 3-3धरने प्रदर्शन के बारे अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति के संयोजक केके सैनी के नेतृत्व में राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता माननीय श्री टीकाराम जूली साहब को ज्ञापन देकर अवगत करवाया गया है कि इन समस्याओं को विधानसभा में उठाने के लिए ज्ञापन पत्र सौंपा । प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली ने पूर्ण आश्वासन देकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का विश्वास दिलाया है। इस दौरान लक्ष्मण चौधरी, भवानी सिंह, एडवोकेट राम निवास,विक्रम सिंह व अन्य लोग भी साथ रहे।

गुस्से से बेहतर है कुछ चीजों को इग्नोर करना

यहां हैं आक्रामकता कंट्रोल करने के कुछ और उपाय

कभी-कभी ऐसा लग सकता है कि आपके आसपास मौजूद हर व्यक्ति लापरवाही कर रहा है। पर आप सभी को नहीं बदल सकते। ऐसे में आक्रामक होने से बेहतर है कुछ चीजों को इग्नोर करना। आपने अपने आसपास ऐसे कई लोगों को देखा होगा, जिन्हें छोटी-छोटी बात पर भी बहुत गुस्सा आ जाता है। धीरे-धीरे ऐसे लोग इतने ज्यादा आक्रमक हो जाते हैं कि उनका खुद पर काबू नहीं रह पाता। जिसका असर न केवल उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है, बल्कि उनके दोस्त और रिश्तेदार भी उनसे धीरे-धीरे कटने लगते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि गुस्सैल व्यवहार को समय रहते कंट्रोल कर लिया जाए। अगर आपका रवैया भी इन दिनों आक्रामक होता जा रहा है, तो जरूरी है कि उसका कारण जानें। ताकि समय रहते इसे कंट्रोल किया जा सके। यहां हम कुछ टिप्स सुझा रहे हैं, जो गुस्से को कंट्रोल करने में मदद करेंगे।

क्या है आक्रामक व्यवहार-सोशल साइकोलॉजी में इस व्यहवार को आक्रामक व्यवहार कहा गया है। ऐसे में व्यक्ति अपने होश में नहीं रहता और चिल्लाना, रोना या आसपास का सामान तोड़ने जैसे काम करने लगता है। कई बार यह मानसिक विकार का कारण हो सकता है। जिसमें डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी होता है। लेकिन कई मामलों में खुद में बदलाव करके भी आप इस व्यवहार को कंट्रोल कर सकते हैं।

पहले समझिए क्यों बढ़ता जा रहा है गुस्सा-अगर आपको हर छोटी-छोटी बात पर गुस्सा आ जाता है, तो आपको इसका कारण समझने की आवश्यकता होगी। आपको थोड़ा अकेले में समय बिताने की जरूरत हैं, जिससे आप अपनी समस्या का कारण समझ पाए और उसका समाधान ढूढ़ पाए। अगर आपका कोई करीबी भी इस समस्या से गुजर रहा है, तो उनसे खुलकर बातचीत करने की कोशिश करें।

1. **धारणाएं न बनाएं**-ज्यादातर मामलों में व्यक्ति का गलत सोच लेना ही उसके गुस्से का कारण होता है। जिसके कारण वह आक्रमक व्यवहार करने लगता है। इसलिए किसी भी बात को गहराई से जाने बिना या सही-गलत समझे बिना उस पर रिएक्ट करने से बचें। कई बार यही धारणाएं गलतफहमी का कारण बन जाती हैं।आपको जिस भी बात पर गुस्सा आता है, उसे शांति से समझने की कोशिश करें। अगर किसी व्यक्ति पर गुस्सा आ रहा है, तो कुछ देर खुद को शांत रखकर उनकी बात समझने की कोशिश करें।
2. **नजरंदाज करना शुरू करें**-आपको उन मुद्दों को नजरअंदाज करना होगा जिसके कारण आपको जल्दी गुस्सा आ जाता हैं। ऐसी चीजों के बारें में सोचना या ध्यान देना आपके आक्रामक व्यवहार का कारण बन सकता है। जब आपको किसी बात पर गुस्सा ज्यादा आने लगे तो खुद को किसी रचनात्मक कार्य में व्यस्त कर लें। यह एक प्रकार की मेंटल एक्सरसाइज होगी, जो आपको शांत करने और उन मुद्दों से ध्यान हटाने में मदद करेगी जिनके कारण आपको गुस्सा आता है। 3. **थोड़े दिन माहौल बदलें**-हमारे वातावरण का हमारे व्यहवार पर सीधा असर पड़ता है। अगर आपको ऐसा महसूस होने लगा है कि आपके आसपास कुछ भी बेहतर नहीं चल रहा या आपको अपनी समस्याओं का हल नहीं मिल पा रहा, तो आपको वातावरण में बदलाव करने की आवश्यकता होगी।इसके लिए आप कुछ दिन के लिए बाहर घूमने जा सकती हैं। या अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव करने की कोशिश कर सकती हैं।अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के मुताबिक व्यक्ति के आसपास का वातावरण उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित करने का कारण बन सकता है, जो व्यक्ति को ज्यादा गुस्सा आना या प्रतिकात्मक व्यहवार का कारण बन सकता है।
4. **मेडिटेशन करने की आदत बनाएं**-अगर आपको छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आ जाता है या गुस्से में आपका खुद पर कंट्रोल नहीं रहता, तो आपको मेडिटेशन या कोई रिलेक्स करने वाली एक्टिविटी करने की आदत बनानी होगी। क्योंकि इससे आपको अपने मन को शांत करने के साथ अपनी समस्याओं पर स्पष्टता पाने में मदद मिल पाएगी।

ईशान और शहत गिल के नए गाने 'डेस्टिनी' में पंजाबी लोक संगीत और मॉडर्न रोमांस का संगम

मुंबई। पंजाबी म्यूज़िक इंडस्ट्री में एक नई चमक देखने को मिल रही है। सिंगर-सॉन्गराइटर ईशान और उभरती हुई लोकप्रिय आइकन शहत गिल ने साथ मिलकर 'डेस्टिनी' पेश किया है। यह एक रोमांटिक डुएट है, जो दिखावे या पल भर की भावनाओं के बजाय सच्चाई और गहरे भरोसे पर आधारित क्लासिक रोमांस को सामने लाता है। खुद-ब-खुद थिरकने पर मजबूर करने वाले बीट्स के साथ, 'डेस्टिनी' उस खास पल को दर्शाता है जब दो ज़िंदगियाँ आखिरकार एक-दूसरे से जुड़ती हैं–बिना किसी ड्रामे के, सिर्फ़ शांति और पक्के यकीन के साथ।पंजाबी लोक संगीत की मधुर झलक और आधुनिक संगीत की समझ को मिलाते हुए, 'डेस्टिनी' दो आत्माओं के बीच होने वाली उस बातचीत की तरह आगे बढ़ता है, जिन्हें पता है कि वे एक ही मंज़िल पर पहुँच चुके हैं। ईशान की शांत और भरोसे से भरी आवाज़ गाने को मज़बूती देती है, जबकि शहत गिल की सधी हुई और मधुर आवाज़ उसमें गर्माहट और भावनात्मक गहराई जोड़ती है। इससे यह गाना समर्पण और संवेदनशीलता के बीच एक संतुलित संवाद बन जाता है।ईशान बताते हैं, ÷हम एक और आम लव सॉन्ग बनाने की कोशिश नहीं कर रहे थे। 'डेस्टिनी' बहुत सच्ची भावना से निकला है। यह उस पल के बारे में है, जब प्यार अनिश्चित लगना बंद कर देता है और हमेशा के लिए पक्का महसूस होने लगता है। वही खिंचाव, वही आगे-पीछे की भावना–यहीं असली जादू होता है। मैं चाहता था कि यह गाना एक वादे की तरह लगे–शांत, भरोसे से भरा और बेहद निजी।÷ वह आगे कहते हैं, ÷शहत के साथ काम करना बहुत आसान रहा। संगीत के मामले में हमारी दुनिया अलग-अलग है, लेकिन इस गाने ने उन्हें बहुत खूबसूरती से एक साथ जोड़ दिया।÷शहत गिल आगे कहती हैं, ÷किसी से प्यार करने में एक अजीब-सी खूबसूरती और रोमांच होता है। इस गाने की भावनात्मक साफ़गोई ने मुझे तुरंत आकर्षित किया। 'डेस्टिनी' की जो नरमी है, वही मुझे सबसे ज़्यादा पसंद आई। यह गाना प्यार को न तो जल्दबाज़ी में दिखाता है और न ही उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश करता है, बल्कि भावनाओं, समर्पण और भरोसे के लिए जगह बनाता है। ईशान की रचना ने इस गाने को उसकी असली आत्मा दी है, जिसमें एक सादा और मिट्ठी-सी जुड़ी हुई अनुभूति है। इसे गाना बिल्कुल स्वाभाविक लगा, जैसे किसी ऐसी भावना में कदम रखना, जो पहले से ही मौजूद थी।÷ज़िंदगी के खास पलों के लिए तैयार किया गया यह गाना–चाहे वो लंबी ड्राइव हो, दिल की खामोश बातें हों या शादी की प्लेलिस्ट–'डेस्टिनी' में एक ऐसी टाइमलेस क्वालिटी है, जो पुरानी यादों जैसा एहसास भी देती है और बिल्कुल नया भी लगती है। इसकी लोककथा जैसी सादगी और सोच-समझकर कही गई कहानी इसे ऐसा गाना बनाती है, जो सिर्फ़ ट्रेंड करने के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय तक साथ रहने के लिए है।

डिज़्नी क्रूज़ लाइन ने डिज़्नी एडवेंचर पर शानदार आतिशबाज़ी का ऐलान किया

मुंबई। डिज़्नी क्रूज़ लाइन ने डिज़्नी एडवेंचर पर शानदार आतिशबाज़ी का ऐलान किया है। एक अनोखे और नए-नवेले, ओरिजिनल आतिशबाजी शो, द लायन किंग सेलिब्रेशन इन द स्काई से पूरी तरह से जगमगा उठेगा। समुद्र में शानदार आतिशबाज़ी का जलवा दिखाने वाली दुनिया की एकमात्र क्रूज़ लाइन के तौर पर, डिज़्नी क्रूज़ लाइन इस पसंदीदा, खास परंपरा को मनोरंजन के बादशाह शाहरुख खान के साथ और भी खास बनाएगी, जो इस नए शो के नैरेटर होंगे। वे इस शो को अपनी दमदार आवाज़ से एक अलग अहसास में बदल देंगे। सारा फॉक्स, वाइस प्रेजीडेंट और रीजनल जनरल मैनेजर, साउथईस्ट एशिया डिज़्नी क्रूज़ लाइन ने कहा कि शाहरुख खान को बिल्कुल नए 'द लायन किंग- सेलिब्रेशन इन द स्काई' आतिशबाजी शो के नैरेटर के तौर पर वेलकम करना डिज़्नी एडवेंचर पर मेहमानों को एक नया अनुभव देगा। इससे क्रूज़ पर आने वाले मेहमान इस सफर का और भी शानदार आनंद लेंगे।÷ उन्होंने कहा कि ÷जैसे ही हम इस रीजन में डिज़्नी क्रूज़ लाइन को पहली बार पेश कर रहे हैं और साथ ही एक ऐसे शानदार कलाकार को अपने साथ ला रहे हैं जो लंबे समय से आइकॉनिक डिज़्नी स्टोरीटेलिंग का हिस्सा रहा है। पूरे एशिया और उससे बाहर भी उनको अच्छा खासा पसंद किया जाता है। उनका साथ हमें इस प्यारी कहानी को एक नए और रोमांचक अंदाज से पूरी जीवंत करने का मौका देता है जो हमारे मेहमानों को एक अलग अहसास देगा। यह ऐसे अनुभव बनाने की हमारे समर्पण को दिखाता है जो स्थानीय तौर पर उनके काफी करीब है, फिर भी पूरी तरह से डिज़्नी हैं, हम सिंगापुर में मेहमानों का क्रूज़ पर स्वागत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

एक डर्मेटोलॉजिस्ट से जानिए सर्दियों में ड्राई स्किन को सॉफ्ट बनाए रखने के टिप्स

सर्दियों में रूखी त्वचा का ख्याल रखना सबसे बड़ी चुनौती होता है। शुष्क हवाओं के बावजूद आप अपनी त्वचा को कैसे नर्म-मुलायम बनाए रख सकती हैं, यह बता रही हैं एक त्वचा विशेषज्ञ।सर्दियों में त्वचा शुष्क हो जाती है, जिसके कारण स्किन में खुजली की समस्या बढ़ने लगती है। बार बार खुजलाने पर खरोंच लग सकती है और स्किन फट भी सकती है। शरीर खासकर चेहरे की स्किन को नियमित रूप से साफ करने, एक्सफोलिएट करने, मॉइस्चराइज करने और सनस्क्रीन लगाकर सुरक्षित रखने की जरूरत होती है। इसलिए सर्दियों में स्किन की विशेष देखभाल होनी चाहिए। सर्दियों में रूखी त्वचा से कैसे बचाव हो, इसके लिए हमने बात की पारस अस्पताल, गुरुग्राम में कंसलटेंट डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. निधि अग्रवाल से।

हर दो सप्ताह में एक बार स्किन की गहरी सफाई-डॉ. निधि कहती हैं, 'सर्दियों में रूखी त्वचा से बचाव के लिए हर दो सप्ताह में एक बार मैकेनिकल एक्सफोलिएशन या रासायनिक छिलके के साथ गहरी सफाई करनी चाहिए। इससे डेड स्किन धूल, मेकअप या किन्हीं अन्य वजहों से हुई स्किन इन्फेक्शन से बचाव होता है। स्किन इन्फेक्शन के कारण ही रोम छिद्र अवरुद्ध हो जाते हैं और मुहांसे पैदा होते हैं।'

1 सर्दियों में क्लींजिंग है जरूरी-डॉ. निधि बताती हैं, 'अक्सर हम सर्दियों में स्किन को क्लीन नहीं करते हैं। घर पर सबसे बड़ा क्लींजर कच्चा दूध है। चेहरे की सफाई हमेशा हल्के हाथों से करें। दूध में डूबा हुआ मुलायम कॉटन पैड लें। कच्चे दूध को DIY क्लीन्ज़र में बदलने के लिए उसमें थोडा कॉफी पाउडर और समुद्री नमक मिला सकती हैं। अब आप नन इरिटेटिंग एक्सफोलिएटर का उपयोग कर सकती हैं। अंडर-आई एरिया नाजुक होते हैं। यहां लगाने से बचें। चेहरे को गुनगुने पानी से धोने से पहले पेस्ट को धीरे-धीरे अपने चेहरे पर गोलाकार गति में रगड़ें।'

ड्राई स्किन होने पर नहीं करें टोनर का इस्तेमाल-आपकी त्वचा पहले से बहुत ड्राई हो सकती है। इसलिए आप स्किन पर टोनर का इस्तेमाल करना छोड़ दें। सर्दियों में सबसे अधिक जरूरी है स्किन के पीएच बैलेंस को बनाए रखना। इसलिए आपको हमेशा हाथ में जैविक गुलाब जल(रखना चाहिए। इसे चेहरे पर थोड़ी मात्रा में स्प्रे करें। हल्के हाथों से इसे फैलाएं। इसे हटायें नहीं, हवा में सूखने दें।

मॉइस्चराइजर का प्रयोग हमेशा करें- सर्दियों में शुष्क त्वचा से निपटने के लिए विटामिन ई तेल, नारियल तेल और जैतून के तेल(olive का सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले सामान्य मॉइस्चराइज़र हैं। सर्दियों में सनस्क्रीन को न भूलें। क्योंकि इस समय स्किन का सूरज से संपर्क और भी अधिक हो जाता है। 40 या अधिक एसपीएफ वाले यूवीए/यूवीबी सनस्क्रीन का प्रयोग करें।धूप से बचाव के लिए कई लोग फिजिकल सनस्क्रीन जैसे जिंक ऑक्साइड या आयरन ऑक्साइड का भी इस्तेमाल करते हैं।

ये विशेष रूप से उपयोगी होते हैं। यदि आपको रोसैसिया या अन्य भड़काऊ त्वचा विकार हैं, तो इसके कारण आपकी स्किन फोटोसेंसिटिव हो जाती है। जिंक ऑक्साइड या आयरन ऑक्साइड स्किन को राहत पहुंचा सकते हैं।

नेचुरल बैरियर बॉडी बटर का उपयोग-डॉ. निधि बताती हैं, 'घी में फॉस्फोलिपिड्स और स्टेरोल्स मौजूद होते हैं। ये नेचुरल बैरियर का काम करते हैं। इनसे स्किन का धूप, धूल और प्रदूषण से बचाव हो पाता है। अतिरिक्त लाभ के लिए इसमें बादाम तेल या विटामिन ई तेल मिलाएं। नीम एसेंशियल आयल है, जिसमें रोगाणुरोधी गुण होते हैं। इसे थोड़ी मात्रा में जोड़ा जाना चाहिए। एक विकल्प के रूप में सूखी त्वचा का इलाज करने के लिए जैविक शीया या कोकोआ मक्खन का प्रयोग करें। मॉइस्चराइजिंग केमिकल त्वचा द्वारा प्रभावी रूप से अवशोषित हो जाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए इसे बार-बार स्क्रेप करना जरूर याद रखें।'

ड्राई कफ के कारण हो रही है सांस लेने में परेशानी

तो इन प्राकृतिक तरीकों से पाएं राहत

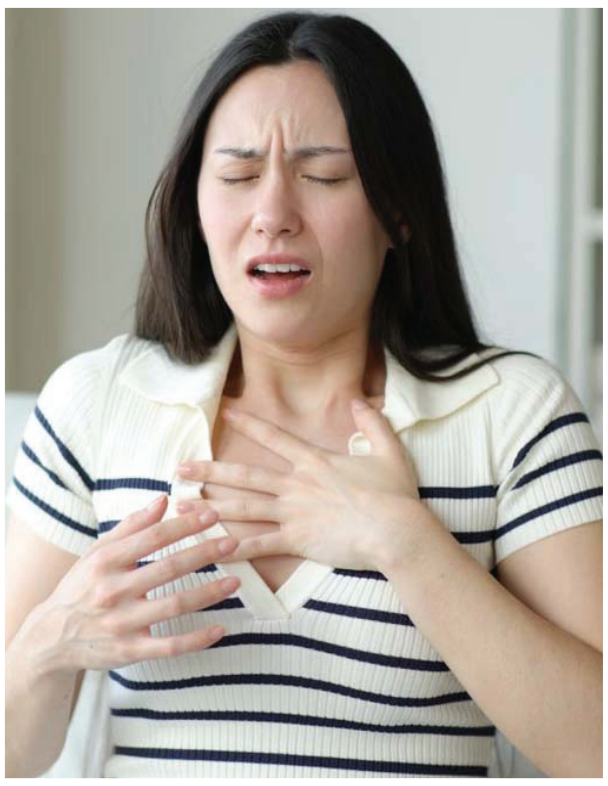

यदि सर्दियों में आपको भी हो जाता है ड्राई कफ और हर बार बोलने से पहले करना पड़ता है गले को साफ, तो हमारे पास हैं आपके लिए चार प्रभावी प्राकृतिक उपाय।इस मौसम ज्यादातर लोग सर्दी, खांसी और कफ की समस्या से परेशान रहते हैं। ठंड के मौसम में ड्राई कफ से संक्रमित होना भी बिल्कुल आम है। वहीं कई बार कफ़ की समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, जिस वजह से लोग सांस लेने में परेशानी, इरिटेशन, बोलने में दिक्कत जैसी समस्याएं महसूस करते हैं। यह बच्चे और बूढ़ों को ज्यादा प्रभावित करती है। वहीं इस दौरान बच्चे काफी ज्यादा परेशान हो जाते हैं। ड्राई कफ की समस्या से निजात पाना आसान नहीं होता। हालांकि जरूरत पड़ने पर दवाइयां लेना अनिवार्य है, परंतु हर मौसमी संक्रमण के लिए दवाइयों के सेवन से परहेज रखने की कोशिश करें। खासकर तब जब आपके पास इसके लिए प्राकृतिक उपचार उपलब्ध हों।एक उचित देखभाल के साथ आप इसे मात दे सकती हैं। इसके लिए कई घरेलू उपचार उपलब्ध हैं, जो प्राकृतिक रूप से इस समस्या से निजात दिलाने में आपकी मदद करेंगे। इसलिए आज हम लेकर आए हैं ऐसे ही कुछ घरेलू उपचार जो ड्राई कफ की समस्या में कारगर माने जाते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में।

1. **प्याज रहेगा असरदार**-आपने सर्दी, खांसी और कफ के लिए अदरक के फायदों के बारे में खूब सुना होगा। तो आपको बताएं कि प्याज भी कफ की समस्या में पूर्ण रूप से असरदार हो सकता है। न्यूट्रिशिनिस्ट एवं हेल्थ कोच ल्यूक कौटिन्हो ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए प्याज को कफ़ की समस्या का एक प्रभावी घरेलू उपचार बताया है।

कैसे करें इस्तेमाल-इसके लिए आपको एक प्याज को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर बॉल में रखना है। ऊपर से उसमें एक कप पानी मिला लें। उसके बाद प्याज को पानी में डालकर 30 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इस पानी को छानकर अलग कर लें और दिन में कम से कम तीन से चार बार 3 चम्मच प्याज का पानी पियें। इसके साथ ही प्याज का जूस भी कफ में काफी असरदार माना जाता है। इतना ही नहीं प्याज को काटने से अक्सर हम कतराते हैं, क्योंकि यह आंख एवं गले में लगता है। परंतु यदि आप कफ से निजात पाना चाहती हैं, तो प्याज काटना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। रात को सोने से पहले एक प्याज लें और इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। उसके बाद इसे किसी बाउल में रखकर बेड के किनारे पर रख दें। ध्यान रहे कि आप जिस ओर अपना सिर रखती हैं, प्याज का बाउल ठीक उसी के नीचे रखा हो।

2. **पुदीना में मौजूद मेंथॉल कम करेगा कफ**-नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसिन द्वारा किए गए अध्ययन की माने तो पुदीना के पत्तियों में एंटी बैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण पाए जाते हैं। जो सर्दी खांसी और कफ से संक्रमित करने वाले बैक्टीरिया को रोकते हैं। इसके साथ ही इसमें मेंथॉल मौजूद होता है जो बार बार खांसी को आने से रोकता है। वहीं ड्राई कफ से होने वाले इरिटेशन को कम करता है और गले की दर्द से राहत पाने में भी मददगार हो सकता है।

कैसे करें इस्तेमाल-आप इसे चाय के तौर पर ले सकती हैं। इसके साथ ही इसकी पत्तियों को चबाना भी फायदेमंद रहेगा। उचित परिणाम के लिए रात को सोने से पहले पुदीना की चाय पीना न भूलें। यह सूखे बलगम को बाहर निकालने में मदद करेंगे। वहीं इसके तेल को भी अरोमाथेरेपी के तौर पर इस्तेमाल कर सकती हैं।

3. **भाप लेने से मिलेगी मदद**-पानी को गर्म करके भाप लेने से ड्राई कफ की समस्या से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। यह आपके गले एवं कफ को मॉइश्चराइज करता है और नासिका मार्ग को खोल देता है। वहीं यह ड्राई कफ के दौरान होने वाले गले में दर्द और बार-बार कफ़ निकालने की बेचैनी को भी कम करता है।

क्या है सही तरीका-यदि आप चाहें तो भाप लेने के पानी में एंटीबैक्टीरियल और एंटी फंगल प्रॉपर्टी से युक्त एसेंशियल ऑयल, तुलसी, इत्यादि को डाल सकती हैं। ऐसे में यह और भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करते हुए आपके गले को राहत प्रदान करता है। साथ ही कफ को आसानी से बाहर निकालने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं स्टीम लेने से ड्राई कफ के दौरान सांस लेने में होने वाली परेशानी से भी राहत मिलेगी।

4. **किसी से कम नहीं है काली मिर्च**-वेबमेड द्वारा की गयी एक स्टडी के अनुसार काली मिर्च में एंटीबैक्टीरियल, एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो सर्दी खांसी और कफ से राहत पाने में आपकी मदद कर सकते हैं। उचित परिणाम के लिए आप इसे दरदरा पीस कर देसी घी के साथ ले सकती हैं।

एलबीएस इंटरनेशनल स्कूल पचेरी बड़ी में 12वीं विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई

संस्कृति, स्नेहभोज और 'थाली में जूठन न छोड़ने' का संकल्प बना समारोह की विशेष पहचान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

एलबीएस इंटरनेशनल स्कूल, पचेरी बड़ी में मंगलवार को 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई पार्टी समारोह का आयोजन भावनात्मक एवं संस्कारपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ स्नेहभोज का आयोजन भी हुआ, जिसने पूरे समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों में विदाई समारोह को लेकर जोश दिया दें रहा था, संस्था की ओर से 11वीं व 12वीं के बच्चों को लेकर खाना की व्यवस्था ना कर प्रबंधन टीम द्वारा सभी बच्चों की व्यवस्था की गई थी। संस्था की टीम के सदस्यों ने बताया कि वह लगातार लगभग 10 साल से विदाई समारोह में सभी बच्चों एवं अध्यापकों एवं अतिथियों के खाने की व्यवस्थाएं की जाती है। पूरे दिनभर में आयोजित कार्यक्रम में विशेष बात यह भी देखने को मिली की स्कूल का एक भी बच्चा ऐसा नहीं रहा है जिसका मंच पर आने का मौका ना मिले है सभी को अलग-अलग गतिविधियों में शामिल कर कार्यक्रम को शानदार तरीके से यादगार बनाने का काम किया।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं—हरेश पंवार

कार्यक्रम की अध्यक्षता लीलाधर बोहरा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में एडवोकेट हरेश पंवार ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायी संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, निरंतर अभ्यास और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है।पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अगर दुनिया के सामने झुकना है तो किताबों के सामने झुको, क्योंकि जो किताबों पर झुकते हैं, वही दुनिया को झुकाने का साहस जुटा पाते हैं। '

संस्कार और व्यावहारिक ज्ञान का समन्वय जरूरी

एकेडमिक डायरेक्टर राधा देवी ने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान और संस्कारों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। हिंदी प्रवक्ता राम सिंह तूंदवाल ने अपने संगीतात्मक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एलबीएस स्कूल के संस्कारित वातावरण और अनुशासित परंपरा को रेखांकित किया।

सम्मान और पुरस्कारों से बढ़ा विद्यार्थियों का उत्साह

समारोह में जूनियर विद्यार्थियों ने सीनियर छात्रों को मोमेंटो व उपहार भेंट कर विदाई दी। विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को एलबीएस मेडल से सम्मानित किया गया। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर अतुल जागिड़ ने वार्षिक में गतिविधियों एवं शैक्षणिक उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

अच्छा नागरिक बनना ही सच्ची राष्ट्रसेवा—सुरेश जांगिड़

विद्यालय के संस्थापक निदेशक सुरेश जागिड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे कुछ भी बनें या न बनें, लेकिन अच्छे नागरिक जरूर बनें। समाज में उनके आचरण और संस्कार से यह झलकना चाहिए कि वे एक श्रेष्ठ संस्थान से शिक्षित हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा केवल सीमाओं पर नहीं होती, बल्कि अपने कर्तव्यों और नैतिक जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी सच्ची देशसेवा है।

संस्कृति और संस्कारों से सजा समारोह

कार्यक्रम के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, प्रसादी भोजन तथा नृत्य-संगीत सहित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए विदाई समारोह को यादगार बनाया।

थाली में जूठन नहीं छोड़ने की दिलाई शपथ

कार्यक्रम की एक विशेष पहल के रूप में विद्यार्थियों को थाली में जूठन नहीं छोड़ने की शपथ दिलाई गई। प्रयोगात्मक रूप से स्नेहभोज के दौरान बच्चों ने प्रसाद ग्रहण करने के बाद प्लेट में भोजन शेष नहीं छोड़ा। एलबीएस ग्रुप के चेयरमैन सुरेश जागिड़ ने संदेश देते हुए कहा कि चाहे अन्न खाओ मन, थाली में छूटे न कण। उतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाले में।' इस प्रेरक संदेश ने बच्चों में भोजन के सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जागृत की।

राजकीय महिला कॉलेज में 26वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

खेलों से शरीर स्वस्थ, मन मजबूत और भविष्य उज्ज्वल बनता है- प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा में 26वीं दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डा. शत्रुजीत सिंह के मार्गदर्शन तथा खेलकूद संयोजिका डॉ. लखबीर कौर के संयोजन में किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास के साथ खेल भावना को सुदृढ़ करना रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ विभिन्न संकायों की छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट के माध्यम से किया गया। कला, वाणिज्य, विज्ञान संकाय तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं अर्थशास्त्र, हिंदी, इंग्लिश, राजनीतिक विज्ञान, मनोविज्ञान, संस्कृत एवं एमकाम की छात्राओं ने अनुशासनबद्ध मार्च पास्ट करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। इसके उपरांत स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की छात्रा सोनिया ने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूदः

इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विजय सिंह, डॉ. गुरनाम चंद, डॉ. भारत भूषण, असिस्टेंट प्रोफेसर पवन कुमार, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. कविता, डॉ. भरत लाल, डॉ. राजीव, रोहित, डॉ. सुमित्रा, डॉ. रीटा, एनएसएस प्रभारी डॉ. शकुंतला सिहाग व रमन, सहायक प्राध्यापक सोनिया गुप्ता, मीनाक्षी, प्रीति, गगनदीप कौर, संदीप कुमार, सारिका सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

दौड़ व शाटपुट में छात्राओं ने दिखाया दमखमः

प्रतियोगिता के प्रथम दिवस में 5 हजार मीटर दौड़ में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की सोनिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि काजल द्वितीय तथा ममता व नेहा (बीए प्रथम वर्ष) संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। 1500 मीटर दौड़ में काजल प्रथम, सोनिया द्वितीय तथा जमना (बीए प्रथम वर्ष) तृतीय स्थान पर रहीं। द्वितीय दिवस में 800 मीटर दौड़ में भतेरी (बीए प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि काजल द्वितीय एवं सोनिया देवी तृतीय स्थान पर रही। शाटपुट प्रतियोगिता में एमए प्रथम वर्ष की रिंकू ने प्रथम, भतेरी ने द्वितीय तथा मुस्कान ने तृतीय स्थान हासिल किया।

खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंगः डॉ. शत्रुजीत सिंह

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत सिंह ने कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। आज खेलों के माध्यम से रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। खेल प्रभारी डा. लखबीर कौर ने मुख्य अतिथि, स्टाफ सदस्यों एवं छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि आज के समय में शिक्षा के साथ खेलों का विशेष महत्व है। खेलों से छात्राएं शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से सशक्त बनती हैं।

चौबारा चेक पोस्ट के पास भीषण सड़क हादसाः कार चालक की इलाज के दौरान मौत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड के शाहजहांपुर मे दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर चौबारा चेक पोस्ट के समीप स्थित एक बियर कंपनी के पास मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। जयपुर से दिल्ली की ओर जा रही एक कार पहले किसी अज्ञात वाहन से टकराई, जिसके बाद अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करते हुए दूसरी लेन में पहुंच गई और वहां दिल्ली से जयपुर की ओर आ रहे वाहन से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार चालक वाहन के अंदर ही फंस गया। सूचना मिलते ही शाहजहांपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों व दुकानदारों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद चालक को कार से बाहर निकाला गया और एंबुलेंस के माध्यम से नीमराना स्थित सचखंड अस्पताल में भर्ती कराया गया। शाहजहांपुर थाने के एएसआई ओमप्रकाश ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार की पहले किसी अज्ञात वाहन से टक्कर हुई थी, जिसके चलते वह दूसरी लेन में चली गई और वहां एक अन्य वाहन से भिड़ गई। घायल चालक की पहचान कृष्ण कुमार निवासी आसामपुर, कोटपूतली के रूप में हुई है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार इलाज के दौरान कृष्ण कुमार की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। फिलहाल शाहजहांपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

गुरु रविदास जयंती पर जालंधर में होगा भव्य आयोजन, हरियाणा से शामिल होंगे हजारों कार्यकर्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह ने प्रेस के नाम जारी बयान में बताया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 8 फरवरी 2026 को जालंधर स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में हरियाणा प्रदेश से भी हजारों कार्यकर्ताओं की सहभागिता रहेगी। शेर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषी क्षेत्रों में गुरु रविदास जी के विज्ञानसम्मत, तर्कशील और मानवतावादी चिंतन का प्रसार करना है, ताकि समाज में व्याप्त अंधविश्वासों का खंडन किया जा सके। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बौद्ध महासभा समाज में सकारात्मक विचार, आचरण और व्यवहार विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अभाव में आज के बच्चे और युवा नशे की चपेट में आकर अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। यदि वर्तमान समय में युवाओं को सही दिशा देनी है, तो गुरु रविदास जी के विचारों को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाना आवश्यक है। अंत में शेर सिंह ने सभी सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों और युवाओं से 8 फरवरी 2026 को जालंधर में आयोजित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

सकतपुरा में तीन भैंस चोरी का मामला, ग्रामीणों ने पुलिस की देरी से नाराज़ होकर किया विरोध प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड क्षेत्र शाहजहांपुर - कस्बे के समीप थाना क्षेत्र मुंडावर के ग्राम सकतपुरा में तीन भैंस चोरी की घटना को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष देखने को मिला। पुलिस की देरी और लापरवाही का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। पीड़ित बस्तीराम पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी सकतपुरा ने बताया कि 2 जनवरी की सुबह करीब 1 से 3 बजे के बीच अज्ञात चोर उनकी तीन भैंस चुरा ले गए। इस दौरान पास ही सो रहे बस्तीराम के कमरे की कुंडी बाहर से लगा दी गई, जिससे वे बाहर नहीं निकल सके। बस्तीराम ने बताया कि घटना की सूचना उन्होंने तुरंत 100 नंबर पर दी, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद वे स्वयं मुंडावर थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोप है कि रिपोर्ट के करीब 15 घंटे बाद पुलिस गांव पहुंची और घटना की जानकारी ली, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने बताया कि पहले सकतपुरा गांव शाहजहांपुर थाना क्षेत्र में आता था, तब सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत पहुंच जाती थी, लेकिन अब थाना क्षेत्र दूर होने के कारण पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंच पा रही है। इससे क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और लोग भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने पुलिस गश्त न होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे चोरों के हौसले बुलंद हो रहे हैं और बार-बार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। विरोध प्रदर्शन में रोहित कुमार, सोनू, ज्ञानचंद, विक्रम, कृष्णा, राजेश, लालाराम, अनिल, लीलूराम, हेम सिंह, सोनू कुमार, मिथुन, अशोक, विक्की, हर्ष, शेर सिंह, रोहतास, राधेश्याम, योगेश, धीरेंद्र सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि थाना क्षेत्र की दूरी की समस्या का समाधान किया जाए, सकतपुरा को नजदीकी थाना क्षेत्र में शामिल किया जाए, चोरी की घटना में तत्काल प्रभाव से कार्रवाई हो तथा आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। साथ ही नियमित पुलिस गश्त शुरू कर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग की गई है।

'संस्कारों की पाठशाला है परिवार', विराट हिंदू सम्मेलन में कुटुंब प्रबोधन पर विशेष जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में चल रहे आयोजनों की श्रृंखला के अंतर्गत मंगलवार को खांदवा मंडल के श्री ब्रह्मचर्य आश्रम, खांदवा में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। यह सम्मेलन बाबा धोला जी महाराज (जगनस्वरूप जी महाराज) के 94वें जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित हुआ। सम्मेलन से पूर्व मातृशक्ति द्वारा बालाजी मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई ब्रह्मचर्य आश्रम परिसर पहुंची। यात्रा का जगह-जगह ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा एवं श्रद्धालुओं के उत्साहपूर्ण स्वागत से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व महिलाओं द्वारा चौक-चौराहों पर रंगोली एवं पुष्प सज्जा की गई, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सवमय वातावरण बन गया।

सम्मेलन में लगभग 4000 महिलाओं एवं 3000 पुरुषों की सहभागिता रही। इस अवसर पर यज्ञ-हवन का आयोजन भी किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय 'पंच परिवर्तन' रहा, जिसमें परिवार को संस्कारों की पाठशाला बताते हुए कुटुंब प्रबोधन पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख संतों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ तथा मंडल के प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि श्री ब्रह्मस्वरूप जी महाराज एवं मुख्य वक्ता सतीश जी ने सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों तथा राष्ट्र निर्माण में परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। सम्मेलन के उपरांत युवाओं द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही रक्तदान शिविर का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। सम्मेलन में संगत और पंगत दोनों की सुंदर व्यवस्था रही। अंत में आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल द्वारा सभी अतिथियों, सहभागियों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

महवा में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निमिषा गौड़ की प्रेस वार्ता हुई आयोजित

17 लाख करोड़ का बजट, 7' से अधिक विकास दर के साथ भारत नई ऊंचाइयों की ओर-निमिषा गौड़

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय पर मंगलवार को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निमिषा गौड़ ने लक्ष्मी रेला के साथ केंद्रीय बजट 2026-27 और भाजपा की जनकल्याणकारी विकास योजनाओं को लेकर प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश प्रवक्ता का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रेस वार्ता में डॉ. निमिषा गौड़ ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 भारत को विकास की नई दिशा देने वाला बजट है, जिसमें आमजन, किसान, युवा, महिलाएं, श्रमिक और मध्यम वर्ग को केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में देश का चहुंमुखी विकास हुआ है और यही वजह है कि आज भारत वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार बजट का आकार ?12 लाख करोड़ से बढ़ाकर लगभग ?17 लाख करोड़ किया गया है, जो बुनियादी ढांचे, रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बड़ा कदम है। डॉ. गौड़ ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 7 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल करना है और इसके लिए सुधारों पर सुधार, आम लोगों पर फोकस और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि के साथ नीतियां लागू की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय रू12.2 लाख करोड़ निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष से करीब 9 प्रतिशत अधिक है और जीडीपी का लगभग 4.4 प्रतिशत है। यह निवेश सड़कों, रेल, बिजली, आवास और औद्योगिक विकास को नई गति देगा।

प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि मेक इन इंडिया और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने के लिए सरकार लगातार ठोस फैसले ले रही है। सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के लिए बजट बढ़ाकर रू40 हजार करोड़ किया गया है, जिससे भारत उच्च स्तरीय मैन्युफैक्चरिंग और रणनीतिक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक अस्थिरता, युद्ध और सप्लाई चेन की चुनौतियों के बीच भी यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार देता है। प्रति व्यक्ति आय दो लाख रुपये से अधिक होना आम नागरिक की आर्थिक स्थिति में आए सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है। ग्रामीण रोजगार पर बोलते हुए डॉ. गौड़ ने कहा कि पहले नरेगा के नाम से जानी जाने वाली योजना को अब जीरामजी योजना के रूप में और अधिक बजट के साथ लागू किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब और मजदूर वर्ग को ज्यादा रोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार देशभर के 200 विरासत औद्योगिक क्लस्टरों का कायाकल्प कर रही है, जिसके लिए 10 हजार करोड़ रुपए का एमएसएमई फंड बनाया गया है। उन्होंने जीएसटी की 5 और 18 प्रतिशत की दरों को वित्तीय अनुशासन का मजबूत आधार बताते हुए कहा कि इससे देश की प्रगति को नई मजबूती मिली है। डॉ. निमिषा गौड़ ने कहा कि प्रत्यक्ष कर संग्रह 2020-21 के ?1.52 लाख करोड़ से बढ़कर 2025-26 में रू21.51 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, वहीं आयकर दाताओं की संख्या 2013 के 1.5 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 9.2 करोड़ हो गई है। किसान हितों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि धान, अरहर, मूंग और उड़द के समर्थन मूल्य में कई गुना बढ़ोतरी हुई है, जिससे किसानों की आय में सीधा लाभ मिला है। किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण किया जा रहा है, जिससे उनकी आर्थिक सुरक्षा मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 किसान, जवान, युवा, मातृशक्ति और सरकारी कर्मचारियों सहित समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसे देशभर में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट देश और आमजन दोनों के लिए बेहद लाभकारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा शीघ्र ही अभियान चलाकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाएगी, ताकि हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिल सकें। भाजपा जिला मंत्री मिश्री देवी मीणा ने कहा कि जीरामजी योजना को लेकर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि 2026-27 के बजट में इस योजना के लिए पहले से कहीं अधिक प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रेस वार्ता में भाजपा के जिला और मंडल स्तर के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम को व्यापक जनसमर्थन मिला।

जरूरतमंदों को कपड़े मिले तो खिल उठे चेहरे

कपड़ा बैंक मुहिम के तहत अजीतगढ़ रीको एरिया में वितरित किये कपड़े

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

सुमेर मीणा । स्थानीय संत श्री श्री नारायण दास यूथ मंडल (स्टेट अवॉर्डी) एवं एक दिन गांव के लिए अभियान के संयुक्त तत्वावधान में संचालित कपड़ा बैंक अंतर्गत शहर के रीको एरिया में जरूरतमंदों को कपड़े वितरित किए गए। इस दौरान युवाओं ने खुले आसमान के नीचे जीवनयापन करने वाले, घुमक्कड़ परिवारों के बच्चों को स्कूली शिक्षा से जोड़ने का संदेश दिया। मुहिम संयोजक चैतन्य मीणा, पूरण प्रजापत, अक्षय कुमावत, हेमंत कुमार सेन ने बताया कि विगत वर्षों से कपड़ा बैंक को लोगों ने नए, पुराने गर्म कपड़े देते है, जिनको जरूरतमंदों तक पहुंचाने का कार्य युवाओं के द्वारा किया जाता है। अजीतगढ़ रीको एरिया की बस्तियों में विगत दिनों सर्दी के गर्म कपड़े आदि वितरित किए गए थे, उसी समय काफी जरूरतमंद नन्हे बच्चों को देखकर दोबारा वितरण का कार्यक्रम तय करके अजीतगढ़ के रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थित बंजारा बस्ती में करीब 100 लोगों एवं छोटे बच्चों को गर्म जुराब, स्वेटर, जैकेट, कंबल, पेंट, शर्ट आदि वितरित किए गए। युवाओं ने बताया कि इस सर्दी के मौसम में अजीतगढ़ रीको औद्योगिक क्षेत्र, अजमेरी फैक्ट्री एरिया, गढटकनेत के त्रिलोकपुरा मोड पर स्थित बस्ती समेत कई बस्तियों में जाकर गर्म कपड़े वितरित किए। मुहिम से जुड़े युवाओं ने बताया कि कपड़ा बैंक (वस्त्रालय) स्थापित कर रखा है, जिसके अंतर्गत सर्दी के मौसम में मुहिम चला रखी है की सर्दियों में ठंड से किसी की जान न जाए। इस अवसर पर अजय बांकावत, लक्की प्रजापत, कृष्ण योगी समेत अनेक युवाओं मौजूद थे।

बेटियों को मिले पुरस्कार तो खिले चेहरे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

सूरजगढ़ शहर में तीन फरवरी पीएमश्री श्रीकृष्ण परिषद् राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की दो बेटियों को श्रीमती गंगा देवी काशी प्रसाद शाह शिक्षा रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संस्था प्रधान सुमन वर्मा ने बताया कि डॉ. अनिल शर्मा अनमोल के प्रयास द्वारा तीन वर्ष पूर्व एक नवाचार के रूप में इस पुरस्कार को सूरजगढ़ निवासी व हरिद्वार प्रवासी मधु गोवर्धन शाह द्वारा प्रारंभ किया गया था। आज यह पुरस्कार इशिता शर्मा व उर्मिला सैनी को प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वरुप दोनों बेटियों को 5100-5100 रुपये नकद व

प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। डॉ. अनिल शर्मा अनमोल ने बताया कि कक्षा 10 में इशिता शर्मा व कक्षा 12 में उर्मिला सैनी के टॉपर रहने पर यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ ही शिक्षक डॉ. अनिल शर्मा अनमोल ने अपने माताजी की स्मृति में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के भी पुरस्कार प्रदान किए। जिसमें प्रथम पुरस्कार बिंदिया, द्वितीय पुरस्कार सोनाक्षी और तृतीय पुरस्कार नैना व रक्षिता सैनी को प्रदान किया गया। जिसमें बेटियों को प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिह्न व मेडल देकर सम्मानित किया गया तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली समस्त बेटियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। पुरस्कार प्राप्त कर सभी बेटियां खुश नजर आ रही थी। मिडल विंग में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएमसी अध्यक्ष सज्जन अग्रवाल थे ।वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान सुमन वर्मा ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य विष्णु शर्मा एवं राकेश नांद वाला रहे। अतिथियों ने डॉ. अनमोल के सार्थक प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में मनीषा सैनी, डॉ. अनिल अनमोल, लक्ष्मण राम धायल, मनोज कुमारी, विमला कुमारी, छात्रा अध्यापिकाएं सहित विद्यालय के विद्यार्थी मौजूद रहे।

इंडियन शिक्षण संस्थान बड़ाऊ में विदाई एवं पुरुस्कार वितरण सम्मान समारोह आयोजित

अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण में शिक्षा और संस्कारों का बहुत बड़ा महत्व- रघुवीर शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

इंडियन शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित संस्कार सीनियर स्कूल में कक्षा 12 के विद्यार्थियों का विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गयाद्य स्कूल के प्रधानाचार्य

सूर्यप्रकाश शर्मा ने वार्षिक प्रतिवेदन पेश करते हुए बताया कि विद्यालय में प्रतिवर्ष कक्षा 12 के विद्यार्थियों का सम्मानपूर्वक विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के सचिव रघुवीर शर्मा ने की मुख्य अतिथि चेयरमैन सुनील बोहरा थे। अति

विशिष्ट अतिथि के रूप में राधा शर्मा, केकेएमएस कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ मुकेश दाधीच, उपनिदेशक प्रकाश दास स्वामी, इंडियन चिल्ड्रन एकेडमी की प्रधानाचार्या सुमन शेखावत,अंग्रेजी माध्यम की प्रभारी पूजा सैनी, हिंदी माध्यम के प्रभारी पूरन सिंह शेखावत मौजूद थे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुनील बोहरा ने कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में शिक्षकों को प्रेरणा स्रोत मानते हुए आगे बढ़े तथा गुरु शिष्य परंपरा का पालन करेंद्य डॉ मुकेश दाधीच ने कहा कि विद्यार्थी अपना लक्ष्य निर्धारित कर सफलता अर्जित करेंद्य कार्यक्रम में व्याख्याता सुभाष शर्मा, प्रमोद सुरोलिया, दर्शन वर्मा, रोहतास कुमार सुरेंद्र कुमावत, जिले सिंह, राजकमल सैनी, राकेश सैनी, मनीष मैडम, देवेंद्र शर्मा, किशन सिंह, नरेश सैनी, मनेष शर्मा, नरेश जागिड़, महेंद्र कुमावत, सहीराम, बजरंग लाल मीणा, सुनील जागिड़, मंजू शर्मा, प्रियंका सैनी, मंजू सैनी, मुकेश मैनपुरा, दुलार सिंह,भवानी सिंह,रामवतार गुर्जर, किशोर गुर्जर, रविंद्र बीलवा, भवानी सिंह, संजय सैनी, घनश्याम शर्मा, सुरेंद्र यादव, अनीता स्वामी, दिलीप कुमार, अशोक भार्गव, शंकर लाल भार्गव, सुरेंद्र सिंह सुंदर सिंह महिपाल सिंह सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे कार्यक्रम का संचालन दिलीप कुमावत और विक्रम यादव ने किया

सामाजिक न्याय की पाठशाला में उल्लेखनीय योगदान पर वरिष्ठ अध्यापक संदीप सैनी को मानद डॉक्टरेट

दिल्ली के संविधान क्लब में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में हुआ सम्मान, झुंझुनूं जिले का नाम रोशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

सामाजिक सेवा और सामाजिक न्याय की पाठशाला में निरंतर योगदान देने वाले झुंझुनूं जिले के वरिष्ठ अध्यापक संदीप सैनी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान सोमवार को नई दिल्ली स्थित संविधान क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्व संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण आयोग, सहभागिता केयर विलेज फाउंडेशन एवं साहित्य सेवा अवार्ड परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सेमिनार में देशभर से आए समाजसेवियों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजनों ने भाग लिया।आयोजकों ने बताया कि

संदीप सैनी द्वारा शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों, समानता, पर्यावरण संरक्षण तथा समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों को देखते हुए उन्हें यह मानद उपाधि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि संदीप सैनी की पत्नी सुनीता सैनी द्वारा प्रगति कम्प्यूटर एंड साइंस एकेडमी का भी संचालन किया जा रहा है, जहां जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को रियायती एवं निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान की जाती है। इसके साथ ही वे अविनाश गहलोत फाउंडेशन के माध्यम से भी जिले में शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सम्मान ग्रहण करते हुए संदीप सैनी ने कहा कि 'मानवता की सेवा करना ही मेरा मुख्य उद्देश्य है। समाज के वंचित वर्ग को शिक्षा से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही मेरा संकल्प है।' इस सम्मान से जिलेभर में खुशी की लहर है। विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों एवं गणमान्य नागरिकों ने संदीप सैनी को बधाई देते हुए इसे झुंझुनूं जिले के लिए गर्व का विषय बताया है।

नाबालिग पुत्री के अपहरण की एफआईआर के लिए महीने भर भटकता रहा पीड़ित पिता

वकील के दखल के बाद दर्ज हुआ मामला, पुलिस कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थाना क्षेत्र के एक ईंट भट्टे पर मजदूरी कर परिवार का पेट पालने वाले उत्तरप्रदेश के बरेली निवासी गरीब मजदूर की नाबालिग पुत्री के अपहरण का मामला पुलिस व्यवस्था और मानवीय संवेदनाओं पर गंभीर सवाल खड़े करता है। करीब एक माह तक 14 वर्षीय बेटी की तलाश में भटकते रहे पीड़ित पिता को पहले मंडावर थाना और फिर महवा थाना से क्षेत्राधिकार और दस्तावेजों का हवाला देकर लौटाया जाता रहा। आखिरकार शनिवार शाम अधिवक्ता के हस्तक्षेप के बाद महवा थाने में अपहरण की एफआईआर दर्ज हो सकी। पीड़ित पिता के अनुसार 3 जनवरी 2026 को उसका दामाद, जो इस मामले में आरोपी है, इलाज का बहाना बनाकर अपनी पत्नी, गोद की बच्ची और पीड़ित की नाबालिग पुत्री को मोटरसाइकिल से महवा ले गया। अस्पताल पहुंचते ही पहले से रची साजिश के तहत आरोपी ने अपनी पत्नी और गोद की बच्ची को अस्पताल के बाथरूम में बाहर से कुंडी लगाकर बंद कर दिया और पीडीत की 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री को लेकर फरार हो गया। किसी तरह वहां से निकलकर आरोपी की पत्नी बच्ची के साथ वापस ईंट भट्टे पर पहुंची और पूरी घटना की जानकारी अपने पीड़ित पिता को दी। इसके बाद से पिता ने अपनी नाबालिग बेटी और आरोपी की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा। न्याय की आस में पीड़ित 31 दिसंबर को महवा थाने पहुंचा, जहां यह कहकर रिपोर्ट दर्ज करने से मना कर दिया गया कि रिपोर्टकर्ता के पास नाबालिग की उम्र से जुड़े वैध दस्तावेज उपलब्ध नही है। जबकि इससे पहले वह तीन बार मंडावर पुलिस थाने भी गया, लेकिन वहां से भी हर बार यह कहकर लौटा दिया गया कि मामला महवा क्षेत्र का है। इस तरह नाबालिग के अपहरण जैसे गंभीर अपराध में पीड़ित का लगभग एक महीना थानों की चौखटों पर चक्कर काटते बीत गया। महवा थानाधिकारी का तर्क रहा कि नाबालिग की उम्र से जुड़े वैध दस्तावेज नहीं होने के कारण रिपोर्ट दर्ज नहीं की जा सकी। इस पर अधिवक्ता भुवनेश त्रिवेदी ने पुलिस को स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 173 के तहत संज्ञेय अपराध की सूचना मिलते ही पुलिस को क्षेत्राधिकार या अन्य औपचारिकताओं में उलझे बिना तत्काल प्राथमिकी दर्ज करनी होती है। नाबालिग के अपहरण के मामले में उम्र के दस्तावेज जांच का विषय हो सकते हैं, एफआईआर दर्ज न करने का आधार नहीं। कानूनी प्रावधानों की याद दिलाए जाने के बाद शनिवार देर शाम महवा पुलिस ने अपहरण की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

इनका कहना है?

पीड़ित मंडावर थाने पर आकर मुझसे नहीं मिला और मैंने आज तक पीड़ित की शक्ल तक नहीं देखी है।
प्रवीण मीना, थानाधिकारी मंडावर

एफआईआर में आरोपित व्यक्ति पीड़ित का दामाद है, जिसे पहले पीड़ित परिवार ने अपने स्तर पर तलाश किया। 31 जनवरी को महवा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।
मनोहरलाल मीना (सीओ महवा)

भोजासर में आयोजित 54 वी फुटबॉल प्रतियोगिता का नवयुवक मंडल लुमास ने फाइनल मैच जीतकर ट्राफी पर किया कब्जा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । निकटवर्ती ग्राम भोजासर में आयोजित की गई 54 वी फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच लुमास ने जीतकर खिताब पर कब्जा जमाया। लुमास नवयुवक मंडल ने खीदरसर को 1ड्ड0 से हराकर फाइनल मैच जीता। फाइनल मैच में उपस्थित अतिथियों ने विजेता बनी लुमास टीम को शुभकामनाएं दी। विजेता रही टीम नवयुवक मंडल लुमास के खिलाड़ियों ने आयोजन स्थल भोजासर से लेकर लुमास गांव

के आम चौक तक गाजे बाजे के साथ ट्रॉफी के साथ नाचते गाते पहुंचे जहां उनका स्वागत किया। इस अवसर पर गांव के आम चौक पर नवयुवक मंडल के सभी सदस्यों को ग्रामीण महिला ओर पुरुषों की ओर से बधाई दी गई ओर मीठाई खिलाई गई। नवयुवक मंडल लुमास के सदस्यों की ओर से महात्मा गांधी राजकीय प्राथमिक विद्यालय के संस्था प्रधान कैलाश जांगिड़ को ट्रॉफी प्रदान की गई। संस्था प्रधान ने सभी को फाइनल मैच जीतने की शुभकामनाएं दी। इस शुभ अवसर पर संजय शर्मा,दिनेश गोदारा, अजीत सिंह , अरविंद शेखावत सरवन साईं,सुनील शेखावत,रविन्द्र शेखावत,राहुल बुगालिया,अजय सिंह निर्बान, अरविंद शर्मा का सहयोग रहा।

धरनार्थी ने दिया 11 सूत्री मांगपत्र झुंझुनूं उपखण्ड अधिकारी को

अधिकारी,तहसीलदार की मौजूदगी में वार्ता विफल, लीजधारकों व ग्रामीणों में टकराव की स्थिति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढागौड़जी।

सुमेर मीणा । पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम हुकमपुरा, बामलास, खेदड़ो की ढाणी एवं खरबासों की ढाणी में जारी अवैध खनन के विरोध में चल रहे धरने के 36 वें दिन में उपखण्ड अधिकारी कौशल्या विश्नोई, तहसीलदार कुलदीप भाटी एवं थानाधिकारी सुरेश रोलन वार्ता करने पहुंचे जहां पर ग्रामीणों ने 11 सूत्रीय मांगपत्र सौपा। वार्ता के दौरान लीजधारकों को धरना स्थल बुलाया । इस दौरान एक लीजधारक ने धमकी भरे लहजे में एडवोकेट जयन्तमूण्ड को बोल दिया जिसके बाद ग्रामीणों व लीजधारकों के बीच तनातनी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन ने बीचबचाव करते हुए टकराव को रुकवाया। उपखण्ड अधिकारी कौशल्या व अन्य अधिकारियों ने मौके पर अवैध खनन,गौचर भूमि एवं टूटे हुए मकान व कुवों का मुआयना किया । इस दौरान उपखण्ड अधिकारी कौशिल्या विश्नोई ने कहा कि इन सब बिंदुओं की जांच कमेटी से की जाएगी व जियोलॉजीकल सर्वे किया जाएगा। मौके पर पटवारी व तहसीलदार को गौचर के अतिक्रमण को हटाने के आदेश दिए। वार्ता के दौरान एडवोकेट जयन्त मूण्ड ने

तहसीलदार व स्थानीय प्रशासन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और कहा कि
गुढागौड़जी में एक तरफ तहसीलदार भाटी कांटली नदी अतिक्रमण की कार्रवाई कर सुर्खिया बटोर रहे है वहीं दूसरी तरफ ऐसी रजिस्ट्रीयां भी कर रहे है जिनकी किस्म में गैर मुमकिन नदी दर्ज है। तहसीलदार महोदय भूमिधारा की हैसियत से ऐसी भूमियों को रिकॉर्ड में कास्तकारी से काम करने वालों पर कार्रवाई करने का दायित्व होता है वही गुढ़ागोड़जी तहसीलदार कुलदीप भाटी जी ऐसी रजिस्टरी करता है और उनका नामांतरण लेकर राजस्व रिकॉर्ड में अमल भी करता है इसकी जांच की जाए । सभी राजस्व रिकॉर्ड में अब्दुल रहमान प्रकरण से प्रभावित ऐसी नामांतरणों को निरस्त किया जावे और कुलदीप भाटी पर भ्रष्टाचार के आचरण में संज्ञान लिया जाए। वार्ता विफल के बाद से ग्रामीण लीजधारकों के रास्ते बंद करके जगह जगह धरने पर बैठे है।

गोयनका कॉलेज ऑफ फार्मेसी में यूनिवर्सिटी परीक्षा के कॉलेज टॉपर्स का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

गोयनका कॉलेज ऑफ फार्मेसी में बी.फार्म एवं डी.फार्म पाठ्यक्रमों की यूनिवर्सिटी परीक्षा में विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कॉलेज टॉपर्स की सफलता को केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना की गई। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविंद्रा नागासुरी ने बताया कि टॉपर्स की यह सफलता उनके निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ अन्य छात्रों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।कार्यक्रम के दौरान संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. गिरीश शर्मा ने टॉपर्स को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया एवं

उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत, लगन और सकारात्मक दृष्टिकोण से विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।इस अवसर पर डॉ विजय शर्मा, डॉ के. सुधीर, डॉ दीपिका, सीताराम स्वामी, रितु शर्मा, सुनील कुमावत, पूनम कँवर, वीरेंदर सिंह, सोनू कुमार, कंचन शर्मा, कुणाल पारीक, अमर सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे और सभी ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार एवं चरित्र निर्माण की पाठशाला है- हर्षिनी कुलहरी

छात्र छात्राओं ने दी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

आदर्श विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव नवरस 2026

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । फतेहपुर रोड बाई पास स्थित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय मंडावा में आज वार्षिकोत्सव नवरस 2025-26 का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झुंझुनूं जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी रहीं। विशिष्ट अतिथियों के रूप में मंडावा थाना प्रभारी रामनारायण चोयल, नगरपालिका जेईएन आनन्द कुमार सोलंकी, सीबीईओ मंडावा पवन कुमार, साक्षरता अधिकारी मूल सिंह शेखावत, भोजासर सरपंच ओमप्रकाश, रेज़ोनेंस टीम झुंझुनूं के विनय चाहर, सेवानिवृत्त एएओ पीएचईडी मांगीलाल, सहायक लेखाधिकारी कुरड़ाराम तथा शीशराम जाखड़ मंचासीन रहे। इस अवसर पर संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल, महेश चंद्र तेतरवाल, आदर्श तेतरवाल, अभिलाषा चौधरी, प्रधानाचार्य श्रवण कुमार एवं प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी, गोविंद सोनी ने अतिथियों का माल्यार्पण, साफा एवं गेस्ट ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हर्षिनी कुलहरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार एवं चरित्र निर्माण की पाठशाला है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत,अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी तथा विद्यालय परिवार द्वारा किए जा रहे शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। छात्र छात्राओं ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, योग प्रदर्शन एवं नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में प्रस्तुत एकलव्य एक्ट एवं अनाथाश्रम एक्ट विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने गुरु-भक्ति, त्याग, संवेदनशीलता एवं सामाजिक सरोकारों का प्रभावी संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि थानाधिकारी मंडावा रामनारायण चोयल ने विद्यार्थियों को कानून व्यवस्था, सुरक्षा, जागरूकता एवं सावधानी के विषय में जानकारी देते हुए यातायात नियमों के पालन एवं साइबर अपराधों से सतर्क रहने का संदेश दिया।? सीबीईओ मंडावा पवन कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार है। उन्होंने अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों को अपनाने की प्रेरणा देते हुए विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान गत वर्ष के टॉपर विद्यार्थियों, प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं एवं कर्तव्यनिष्ठ स्टाफ सदस्यों को आकर्षक उपहार स्वरूप टेबलेट, स्मार्ट वॉच एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे सभी में उत्साह एवं प्रेरणा का संचार हुआ। संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिक मूल्य, संस्कार एवं राष्ट्रीय भावना से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों की छुपी प्रतिभाओं को निखारने का मंच प्रदान करते हैं और उनमें आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं।कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी का अभिनंदन किया। कार्यक्रम संचालन व्याख्याता गोविंद सोनी,प्रीति जोशी, जिया सैनी एवं सुनहरी कुमावत ने किया।

नकली जेवरात गिरवी रखकर 15 लाख रुपये की ठगी करने के मामले एक आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । सीआईए रेवाड़ी ने गत वर्ष गांव मंदोला निवासी एक व्यक्ति के पास नकली जेवरात गिरवी रखकर 15 लाख रुपये की ठगी करने के मामले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला जालौर के गांव बिबलसर निवासी पिया कुमार के रूप में हुई हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी की रकम में से 8 लाख रुपये की राशी बरामद की हैं। जांचकर्ता ने बताया की गत वर्ष 22 दिसम्बर को गांव मंदोला निवासी सत्यनारायण ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने अपने में गांव में घर पर ही कपड़ों की दुकान की हुई है। उसकी दुकान पर खुद को राजस्थान के जिला झालोर के गांव मंडोली निवासी गोपाल मिस्त्री बताने वाला व्यक्ति सामान खरीदने के लिए अक्सर आता रहता था। गत वर्ष 1 दिसंबर को उसने बताया कि उसके बच्चे को कैंसर है। उसे इलाज के लिए पैसों की जरूरत है। उसे लगा कि वह झूठ बोल रहा है। इसके बाद अगले दिन वह मेडिकल के कागजात साथ लेकर आया। उसने बताया कि उसके पास पूर्वजों के जेवरात है। वह उन्हें गिरवी रखकर पैसे दे सकता है। इसके बाद उसने एक माला दिखाई। उसके दो मणिए निकालकर चेक कराने को कहा। जब उसने मणिए सुनार को चेक कराए तो वह असली पाए गए। उसने विश्वास करते हुए उसे रेवाड़ी आकर 15 लाख रुपये दे दिए। बाद में उसके बच्चों ने बताया कि ऐसे लोग फ्रॉड करते हैं, इसलिए उसने गहनों की जांच कराई। जांच में गहने नकली पाए गए। इसके बाद जब उसने गोपाल से संपर्क करने का प्रयास किया तो उसने फोन उठाकर रॉन्ग नंबर बताते हुए फोन काट दिया। जिस पर पुलिस ने थाना माडल टाऊन रेवाड़ी में ठगी का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जो इस मामले में सीआईए रेवाड़ी ने सोमवार को मामले में संलिप्त एक आरोपी राजस्थान के जिला जालौर के गांव बिबलसर निवासी पिया कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी की रकम में से 8 लाख रुपये की राशी बरामद की हैं। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके पूछताछ के लिए तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस द्वारा इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

महान संत श्रीश्री 1008 बाबा चंद्रनाथ महाराज को पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । रेवाड़ी के गांव संगवाड़ी स्थित बाबा गरीबनाथ मंदिर में नाथ संप्रदाय के महान संत बाबा चंद्रनाथ महाराज की स्मृति में श्रद्धा सुमन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें यहां पहुंचे सैकड़ों भक्तों ने बाबा चंद्रनाथ महाराज की फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर नाथ संप्रदाय में दिये गये उनके योगदान को याद किया। इस मौके संगवाड़ी स्थित बाबा गरीबनाथ मंदिर के गद्दी महंत सोमनाथ महाराज ने बताया कि बाबा चंद्रनाथ महाराज सामधा गद्दी के दूसरे महंत परमहंस बाबा गोपाल नाथ महाराज के शिष्य थे। उन्होंने बचपन में महाराज गोपाल नाथ का शिष्यत्व ग्रहण किया और उनसे शिक्षा दीक्षा लेकर योगाश्रम बगड़ धाम की स्थापना की। साथ ही उन्होंने मृत्यु भोज, शराब, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या आदि बुराइयों के खिलाफ एक जन अभियान चलाया और समाज को जागरूक लाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने बताया कि बाबा चंद्रनाथ महाराज की स्मृति में 4 फरवरी की रात्रि को बगड़ में भव्य सत्संग तथा 5 फरवरी को कन्या भोजन का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान महाराज उदयनाथ, महाराज राधेनाथ, महाबीरनाथ शाहपुरा, मास्टर जगदीशनाथ, पूर्व सरपंच थावर सिंह चोपड़ा जलालपुर, सतबीर पूनिया, धर्मचंद बजाड़, अशोक, अशोक छावड़ी, मदन रामपुरा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गुढ़ागौड़जी में पहाड़ी कटाई के विरोध में धरना जारी, बलवीर सिंह काला ने दिया समर्थन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागौड़जी।

रतन सिंह । गुढ़ा गौड़जी क्षेत्र में पहाड़ी कटाई को रोकने की मांग को लेकर चल रहा धरना लगातार मजबूती पकड़ता जा रहा है। आंदोलन को उस समय बड़ा नैतिक बल मिला जब अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति अत्याचार विरोधी जिला संघर्ष समिति, झुंझुनू के संरक्षक बलवीर सिंह काला धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारियों को अपना समर्थन दिया। इस अवसर पर समिति का प्रतिनिधिमंडल भी धरने में शामिल रहा, जिसमें किशन लाल महरिया एवं सवाई सिंह सर्वा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। धरना स्थल पर मौजूद ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पहाड़ी कटाई को पर्यावरण, जल स्रोतों एवं क्षेत्र के दीर्घकालीन भविष्य के लिए गंभीर खतरा बताया और इसे तत्काल प्रभाव से रोकने की मांग की। धरना को संबोधित करते हुए बलवीर सिंह काला ने कहा कि जनभावनाओं की अनदेखी कर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। यदि प्रशासन ने समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई तो आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं तेज किया जाएगा। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा एवं सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता मौजूद रहे। आंदोलनकारियों ने एक स्वर में पहाड़ियों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय संसाधनों को बचाने का संकल्प दोहराया।

मंडावर के गांधी चौक पर छोड़ा गया सीसी सड़क का हिस्सा चौराहे के सौंदर्य पर पोत रहा कालिख

हर वक्त बना रहता है हादसे का खतरा।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर में विधायक राजेन्द्र मीना के प्रयासों से स्वीकृत एक करोड़ की योजना के तहत स्थानीय पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा गांधी चौक से थोबड़ी चौराहे तक करीब 76 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। तय टेंडर और स्वीकृत मापदंडों के अनुसार सड़क का निर्माण कार्य लगभग तय लंबाई तक कर दिया गया है, लेकिन शहर के सबसे प्रमुख और व्यस्त व मुख्य गांधी चौक पर एक छोड़ा गया हिस्सा आज तक प्रशासनिक अनदेखी का प्रतीक बना हुआ है। सड़क निर्माण की शुरुआत के दौरान पुलिस थाने के समीप जलदाय विभाग की लोहे की मजबूत पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके चलते सुरक्षा कारणों से उस स्थान पर सीसी सड़क का कार्य रोक दिया गया। बाद में जलदाय विभाग द्वारा उक्त क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को ठीक कर दिया गया और इसकी जानकारी ठेकेदार को भी दे दी गई, लेकिन इसके बावजूद लंबा समय बीत जाने के बाद भी ठेकेदार द्वारा उस छोड़े गए हिस्से पर सीसी सड़क का निर्माण अभी तक नहीं कराया गया है। इस लापरवाही का परिणाम यह है कि गांधी चौक पर वह स्थान अब एक गड्ढे का रूप ले चुका है, जो न केवल शहर के मुख्य चौराहे के सौंदर्य पर कालिख पोत रहा है, बल्कि आमजन की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन गया है। चौराहे पर फल-फ्रूट के ठेले लगाने वाले व्यापारियों का कहना है कि इस गड्ढे में रोजाना कचरा भर जाता है और बारिश के दिनों में पानी भरने से गड्ढा नजर नहीं आता, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों के लिए दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार को कई बार इस समस्या से अवगत कराने के बावजूद इसे नजरअंदाज किया जा रहा है। मामले को लेकर जब पीडब्ल्यूडी के कनिष्ठ अभियंता करणसिंह राजपूत से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि ठेकेदार को इस संबंध में सूचित कर दिया गया है। इसके बावजूद शहर के हृदयस्थल गांधी चौक पर अधूरा पड़ा यह कार्य अब न केवल ठेकेदार की कार्यप्रणाली, बल्कि विभागीय निगरानी पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई : चोरी की मोटरसाइकिल मामले में आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना शहर टोहाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा आरोपी को नियमानुसार पूछताछ उपरांत माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस संबंध में थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि 29.01.2026 को थाना शहर टोहाना में एक शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता जगसीर सिंह पुत्र गमदूर सिंह, निवासी भाटिया नगर, वार्ड नंबर-20, टोहाना ने बताया कि उसने दिनांक 17.01.2026 को अपनी मोटरसाइकिल दुकान पंजाब मेडिकल हाल, चंडीगढ़ रोड, एचडीएफसी बैंक के सामने टोहाना में खड़ी की थी, जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया। शिकायत के आधार पर थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 35 दिनांक 30.01.2026, धारा 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी व मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी की पहचान सुनिश्चित करते हुए उसे काबू कर लिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी की पहचान निर्मल पुत्र सिशन राम, निवासी बोधी के रूप में हुई। आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा चोरी गई मोटरसाइकिल की बरामदगी को लेकर भी प्रयास जारी हैं। उन्होंने आगे बताया कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपी को नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना शहर टोहाना पुलिस क्षेत्र में चोरी व अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार सक्रियता से कार्रवाई कर रही है।

स्कूल बस-कार की भीषण टक्कर, दो युवकों की मौत

स्कूल बस में सवार कई बच्चों को भी आई चोटें

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । जिले के शाहजहांपुर रोड पर मंगलवार दोपहर बाद एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गांव मोहनपुर के पास एक निजी स्कूल की बस और कार की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि स्कूल बस में सवार कुछ बच्चों को भी चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बावल थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतकों की पहचान गांव जैतड़ावास निवासी करीब 25 वर्षीय जितेंद्र और सचिन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक कार में सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर बाद गांव मोहनपुर स्थित एक निजी स्कूल की बस बच्चों को लेकर स्कूल से घर छोड़ने के लिए रवाना हुई थी। स्कूल से कुछ दूरी पर पहुंचते ही सामने से तेज रफ्तार में आ रही कार से बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद बस भी संतुलन खोकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना में कार सवार जितेंद्र और सचिन को गंभीर चोटें आईं और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।? सूचना मिलते ही बावल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बावल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है।पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही हादसे के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

यातायात पुलिस की सख्त कार्रवाई: अवैध पार्किंग करने वाले वाहनों पर कसा शिकंजा

टोहाना शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए क्रेन के माध्यम से की गई टोइंग कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में जिले में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यातायात पुलिस टोहाना द्वारा शहर के विभिन्न व्यस्त मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों में अवैध तरीके से खड़े वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे, चौराहों, मुख्य बाजारों तथा नो-पार्किंग जोन में खड़े वाहनों को चिन्हित किया गया, जिनके कारण आमजन को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कार्रवाई के तहत अवैध रूप से खड़ी गाड़ियों को क्रेन के माध्यम से टो कर थाना यातायात भेजा गया, जिससे यातायात बाधा को तुरंत दूर किया जा सके। थाना यातायात प्रभारी उपनिरीक्षक जय सिंह ने बताया कि अवैध पार्किंग के चलते अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड सहित आम नागरिकों को भारी असुविधा होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया गया है, ताकि टोहाना शहरवासियों को अवैध पार्किंग से निजात दिलाई जा सके और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाया जा सके। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें तथा नो-पार्किंग क्षेत्रों में वाहन खड़ा न करें। यातायात नियमों का पालन करने से न केवल जाम की समस्या कम होगी, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की आशंका में भी कमी आएगी। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के अभियान लगातार जारी रहेंगे तथा यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

टोहाना बजरंग बली बाक्सिंग अकैडमी के मुक्केबाजों ने दिखाया दमखम- डायरैक्टर विनय वर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना के बजरंगबली बॉक्सिंग अकैडमी के बॉक्सरो ने डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय,कैथल में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता इंटर कॉलेज बॉक्सिंग चैंपियनशिप मे नीरज डांगरा ने 75-80 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल हासिल किया और वही सौरभ डांगरा ने 65-70 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया जानकारी देते हुए बजरंगबली बॉक्सिंग?अकादमी के संचालक विनय वर्मा और बॉक्सिंग कोच महेश कुमार डांगरा ने बताया कि नीरज इंदिरा गांधी राजकीय महाविद्यालय टोहाना का छात्र है और गांव डांगरा का रहने वाला है जिसने अपने भार वर्ग में गोल्ड मेडल हासिल किया नीरज पहले भी राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मेडल हासिल कर चुका है नीरज ने सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के पास बैठकर प्रधानमंत्री मोदी जी से बातचीत की थी और और नीरज की प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी सराहना की थी वही सौरव डिफेंस डिग्री कॉलेज टोहाना का छात्र है और गांव डांगरा का रहने वाला है और सौरभ भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मेडल हासिल कर चुका है जिसने अपने भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया दोनों बॉक्सर्स की इस अचीवमेंट पर अकादमी में खुशी का माहौल है हम इन दोनों बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि आगे भी सभी बच्चे ऐसे ही अपने शहर गांव एवं क्लब का नाम रोशन करेंगे वही दोनों बच्चों ने इस सफलता का श्रेय बॉक्सिंग कोच महेश कुमार डांगरा को दिया। खिलाड़ीयो की इस अचीवमेंट पर टोहाना के सभी बॉक्सर साथियों ने बधाई दी।

टोहाना संत शिरोमणि गुरु श्री रविदास जी जयंती पर वरिष्ठ एडवोकेट चौधरी विजय कृष्ण रंगा को मंदिर सभा ने किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती पर रतिया रोड़ स्थित गुरु रविदास मंदिर सभा, टोहाना (रजि.) द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। जिसमें कार्यकारिणी के सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया,संत महात्माओं द्वारा इस अवसर पर प्रवचन किया गया तथा तत्पश्चात लंगर का आयोजन किया गया जिसमें आस पास क्षेत्रों के भगत महिलाओं व पुरुषों ने सेवा की। भगवती भावनाओं से ओत-प्रोत इस समारोह में टोहाना के पूर्व मंत्री व भाजपा नेता देवेन्द्र सिंह बबली से मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंच कर सभी संगत को सम्बोधित किया।इस अवसर पर स्थानीय कार्यकारिणी सदस्यों ने स्थानीय संगत व समाज के प्रबुद्ध समाज सेवी महिलाओं व पुरुषों को सम्मानित किया,इस विशेष अवसर पर समाज के वरिष्ठ अधिवक्ता व समाज सेवी चौधरी विजय कृष्ण रंगा को भी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने स्मृति चिन्ह व सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया।।स्थानीय कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों जिसमें वरिष्ठ सदस्य कर्मा राम खोबड़ा, डॉ ईश्वर खोबड़ा,अमर बलवारिया, राजेन्द्र बोध महिपाल खोबड़ा, मौनी खोबड़ा, हैप्पी खोबड़ा,राजू खोबड़ा,बल वकील सिंह(बिट्टू), राजेश रावण, दीपा खोबरा, बलराज खोबरा, सुनील खोबरा, रमेश खोबरा, इत्यादि ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

डॉ ईश्वर खोबड़ा व कर्मा राम खोबड़ा सहित पूरी कार्यकारिणी ने सिरोपा भेंट किया

अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल में आज अफगानिस्तान पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

हरारे (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम का बुधवार को यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से मुकाबला होगा। अब तक इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीतने वाली भारतीय टीम इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम ने अब तक पांच बार 2000, 2008, 2012, 2018, 2022 में ये खिताब जीता है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में भी जीत दर्ज कर छठे खिताब की ओर कदम बढ़ाना चाहेगी।

भारतीय टीम ने इससे पहले के मुकाबल में पाकिस्तान को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम ने अब तक अपने सभी पांच मैच आसानी से जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में पाकिस्तान के खिलाफ मिली 58 रनों की जीत भी शामिल है। भारतीय टीम इसके बाद भी इस मैच को हल्के में नहीं लेगी। इसका कारा है कि अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उसने अपने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एक ही मैच में श्रीलंका ने हराया था। उसके खिलाड़ियों ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों वैभव सूर्यवंशी और विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने अब तक इस टूर्नामेंट में जमकर रन बनाये हैं। ये दोनो ही ये सिलसिल बनाये रखना चाहेंगे। कुंडू ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 196 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने पांच अर्धशतक लगाये हैं। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा ने अब तक ?(पांच मैचों में 172 रन बनाये हैं जिसमें ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया शतक 109 रन भी शामिल हैं।

कप्तान आयुष म्हात्रे और आरोन जॉर्ज को अत तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं और टीम को इनसे इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की

उम्मीद रहेगी। आयुष ने पांच मैचों में केवल 99 रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज आरोन ने तीन पारियों में केवल 46 रन बनाये हैं।

आयुष ने हालांकि गेंदबाजी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में छह विकेट लिए हैं। टीम की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाज हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के पास रहेगीहै। इसके अलावा स्पिन की जिम्मेदारी खिलन पटेल के पास रहेगी। पटेन ने पांच मैचों में आठ विकेट लिए हैं। दूसरी ओर महबूब खान की कप्तानी में अफगान टीम भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी।

टीम इस प्रकार है

भारत अंडर-19: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उधव मोहन, किशन सिंह।

अफगानिस्तान अंडर-19: महबूब खान (कप्तान), अजीजुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोजादा, खालिद अहमदजई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाजई, अब्दुल अजीज, अकील खान, खातिर स्टानिकजई, नाजीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी उमरजई, रूहुल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह जादरान, जैतुल्लाह शाहीन।

जगदीशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ए ने अभ्यास मैच में अमेरिका को हराया

नवी मुम्बई (एजेंसी)। नारायण जगदीशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ए ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले ही अभ्यास मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 38 रनों हरा दिया। इस मैच से बल्लेबाज तिलक वर्मा ने भी टीम में अच्छी वापसी की है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए विकेटकीपर-बल्लेबाज जगदीशन ने केवल 55 मैचों में ही 104 रन बना दिये। अपनी इस पारी मे जगदीशन ने 11 चौके और 5 छक्के लगाये और अमेरिकी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। इस मैच में अमेरिकी कप्तान मोनांक पटेल ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत ए ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 238 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिकी टीम 19.4 ओवर में ही 200 रनों पर ही आउट हो गयी। उसकी ओर से इस मैच में अमेरिकी टीम की ओर से भारतीय मूल के बल्लेबाज संजय कृष्णमूर्ति ने 18 गेंदों में 41 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से कप्तान आयुष बदोनी ने नाबाद 60 रन 26 गेंद पर बनाए। तिलक वर्मा ने भी वापसी की और 38 रन बनाए। प्रियांश आर्या ने पारी की शुरुआत करते हुए तेजी से 13 गेंद पर 28 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इस मैच में वापसी करते हुए तिलक ने अच्छी बल्लेबाजी की। तिलक ने स्पिनरों हरमीत सिंह और नोस्तुश केनजीगे के खिलाफ दो जोरदार छक्के लगाये। तिलक ने इसके बाद गेंदबाजी करते हुए एक विकेट लिया और एक और कैच भी पकड़ा।

टी20 विश्कवप में सलामी बल्लेबाज पर फैसला 7 फरवरी को होगा : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि टी20 विश्वकप में अभिषेक शर्मा के साथ भारतीय टीम की पारी की शुरुआत कौन करेगा। इसका फैसला सात फरवरी को अमेरिक के खिलाफ होने वाले पहले मैच में हो जाएगा। भारतीय टीम में इसके लिए संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे दावेदार है पर जिस प्रकार से सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में असफल रहे हैं। उससे तय है कि अभिषेक के साथ पारी शुरु करने की जिम्मेदारी ईशान को ही मिलेगी। सैमसन जहां सीरीज के पांच मैचों में केवल 46 रन बना पाये। वहीं ईशान ने एक शतक और अर्धशतक सहित करीब 250 रन बनाये थे। ऐसे में सैमसन का दावा काफी कमजोर हो गया है। वहीं सूर्यकुमार ने कहा कि पारी की शुरुआत कौन करेग। अभी इसपर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि ईशान और सैमसन दोनों ही अंतिम ग्यारह के दावेदार हैं। टीम प्रबंधन सभी पक्षों पर ध्यान देने के बाद अंतिम फैसला करेगा।

कप्तान ने का कि बल्लेबाज तिलक वर्मा भी फिट हो गये हैं और वह मध्यक्रम में अपनी जगह पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि तिलक अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। ऐसे में दल के सभी 15 खिलाड़ी अंतिम एकादश में जगह पाने के दावेदार हैं, जिससे चयन और भी कठिन हो गया है। सूर्यकुमार ने टीम अपनी आक्रमक रणनीति पर चलेगी। इसलिए शीर्ष क्रम को आक्रामक होकर ही खेलना होगा। उन्होंने संकेत दिए कि टीम को नंबर 7 या 8 तक एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज की जरूरत हो सकती है। साथ ही कहा कि गेंदबाजी की जिम्मेदारी, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल पर रहेगी।

वहीं हार्दिक पांड्या के अलावा शिवम दुबे और अभिषेक शर्मा को भी गेंदबाजी दी जा सकती हैं। ऐसे में टीम सात बल्लेबाज और ऑलराउंडर्स के साथ एक मजबूत संयोजन बनाएगी। कप्तान ने कहा कि घरेलू हालातों में खेलने पर दबाव आता है पर खेल में ये चलता रहता है। उनका प्रयास टीम की खिताब बरकरार रखने में सहायता करना रहेगा। उन्होंने कहा कि अभिषेक , ईशान अपनी स्वाभाविक शैली में खेलते हैं और उन्होंने सभी को उसी अनुसार खेलने को कहा है।

कमिंस टी20 विश्वकप से बाहर हुए, ड्वार्शियस शामिल

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। कमिंस ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण विश्वकप कप से नाम वापस ले लिया है। कमिंस ने कहा कि उनका लक्ष्य आगामी टेस्ट सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होना है ताकि वह सभी मैच खेल सकें। इसलिए उन्होंने तय किया कि विश्वकप से बाहर रहना ही ठीक है। कमिंस के बाहर होने के कारण उनकी जगह पर बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। कमिंस ने कहा, मैं पहले से काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं कुछ सप्ताह तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा।

उन्होंने कहा, एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था पर अभी किये एक स्कैन में चिकित्सकों ने पाया कि मुझे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, तब उसे बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद वह सितंबर में टेस्ट और एकदिवसीय के लिए टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। टीम इसके बाद न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी और फिर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगा। इसके बाद वह अगले साल मार्च में मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज, एकदिवसीय विश्व कप और जून में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल होगा। कमिंस ने कहा, हमने सोचा कि आगामी सत्र में क्रिकेट मैचों की संख्या को देखते हुए साल के पहले छह महीने में संयम बरतना काफी अच्छा रहेगा। चोट ठीक हो जाएगी और इसको लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। अगर मैं अभी इसको लेकर सतर्कता नहीं बरतता तो समस्या बढ़ सकती थी। कमिंस को उम्मीद है कि वह 26 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करने के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

आईसीसी पाकिस्तान बोर्ड पर प्रतिबंध लगाये : गावस्कर

मुम्बई । भारतय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि जिस प्रकार पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप से ठीक पहले भारत के खिलाफ मैच खेलने से इंकार किया है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को उसके खिलाफ प्रतिबंध लगाना चाहिये। पाकिस्तान की सरकार का कहना है कि टीम टी20 विश्व कप खेलेगी पर भारत के खिलाफ मैच में नहीं उतरेगी। उसने पाक बोर्ड (पीसीबी) से इस मैच का बहिष्कार करनके को कहा है। पाक के इस फैसले की कड़ी आलोचना हो रही है यहां तक कि उसके खिलाड़ी भी इससे सहमत नहीं हैं। गावस्कर भी इससे बेहद नाराज हैं। उन्होंने आईसीसी से अपील की है कि भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने के लिए पीसीबी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये। भारत-पाक का मुकाबला 15 फरवरी को श्रीलंका के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। इसके लिए पाकिस्तान को हाइब्रिड मॉडल के तहत ही कोलंबो में खेलने का अवसर मिला पर अपनी अड़ियल रवैये और बांग्लादेश का साथ देने की जिद को लेकर पाक सरकार ने मैच खेलने से इंकार किया है। गावस्कर का मानना है कि आईसीसी को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिये। जिससे अन्य टीम के सामने मिसाल पेश की जा सके।

वेस्टइंडीज को विश्वकप में बेहतर गेंदबाजी करनी होगी : कोच सैमी

जमैका । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी अपनी टीम के प्रदर्शन से निराश हैं। सैमी के अनुसार उनकी टीम को अगर टी20 विश्वकप जीतना है तो उसके गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सैमी के अनुसार उनकी टीम को हाल में दक्षिया अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज के अलावा अफगानिस्तान से भी हार का सामना करना पड़ा था। इससे साफ है कि खिलाड़ी फार्म में नहीं हैं और उन्हें काफी सुधार करने होंगे। उसके गेंदबाजों को विरोधी टीम के खिलाफ तीन मैचों में केवल 10 विकेट ही मिल पाये थे। पहले दो मैचों में ही टीम ने 401 से अधिक रन दे दिये थे। ऐसे में कोच का कहना है कि सब कुछ गेंदबाजों पर निर्भर करेगा। उनका प्रदर्शन से ही तय होगा कि टीम कहां तक पहुंचेगी। कोच कहा, उम्मीद है, हम ऐसा क्रिकेट खेल पाएंगे, जिससे हमें जीतने में सहायता मिले। जैसा कि मैंने पहले कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे पता है कि गेंदबाजी में बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। हम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में नई योजना के साथ उतरेंगे। सैमी साल 2012 और 2016 में वेस्टइंडीज की टीम ने विश्व कप जीता था, तो उस समय सैमी भी टीम में शामिल थे। उनका मानना है कि इस बार के विश्व कप के लिए बल्लेबाजी ईकाई अच्छी है पर गेंदबाजी में परेशानी हैं। सैमी ने कहा, मैं बल्लेबाजी के तरीके से खुश हूं। मैं चाहूंगा कि स्पिनर प्रभावी गेंदबाजी करें। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में हमार स्पिनर बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये थे।।

रायडू को भारतीय टीम के टी20 विश्वकप जीतने की उम्मीद

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने भारतीय टी20 टीम की जमकर सराहना करते हुए कहा कि इस बार भी वह खिताब जीत सकती है। भारतीय टीम ने पिछल बार वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुए विश्वकप को जीता था। जिससे वह इस बार भी बरकरार रखना चाहेगी। रायडू के अुनसार जिस प्रकार से भारतीय टीम अच्छे फार्म में है। उससे वह अपना विश्वकप खिताब बरकरार रखने में सक्षम नजर आती है। भारतयी टीम ने जिस प्रकार से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की सीरीज में खेला है उससे रायडू बेहद प्रभावित हैं। भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज 4-1 से जीती है। रायडू ने कहा कि टीम का आत्मविश्वास, रुख और निडर क्रिकेट यह दिखाता है कि भारत आने वाले बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार है। रायडू ने कहा कि इस भारतीय टीम की सोच बाकी टीमों से अलग है। उनके अनुसार, खिलाड़ी बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं और यही निडरता उन्हें आक्रामक बनाती है। इसलिए भारतीय टीम के पास वह सब है जो विश्वकप जीतने के लिए चाहिये। ऐसे में अगर टीम सही दिशा में रहीं, तो 2026 में भी भारतीय टीम ट्रॉफी जीत सकती है। भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मैच 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) से खेलना है। इसके बाद टीम इंडिया नई दिल्ली में नामीबिया, कोलंबो में पाकिस्तान और अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच खेलेगी।

भारत-पाक मैच नहीं होने से दोनो ही बोर्ड को 200-200 करोड़ का नुकसान होने का अनुमान

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने सात फरवरी से शुरु होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला किया है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मुश्किलें भी बढ़ गयी हैं क्योंकि भारत-पाक मैच के रोमांच के कारण सबसे अधिक राजस्व इसी मैच से मिलता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस मैच से तकरीबन 500 मिलियन डॉलर (लगभग 4,500 करोड़ रुपये) की आय होने की संभावना थी। इसमें प्रसारण अधिकार, विज्ञापन, प्रायोजन राशि, टिकट बिक्री आदि से होने वाली आया शामिल है। दुनिया में किसी भी दूसरे क्रिकेट मैच से इतनी अधि कमाई नहीं होती है। ऐसे में इस मैच के नहीं होने पर में भारत और पाकिस्तान दोनों ही बोर्ड को करीब 200-200 करोड़ रुपये का नुकसान होने की संभावना है। सकता है.

इसमें टीवी और डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग से होने वाली आय भी शामिल है। गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान टी20 मैच के लिए

विज्ञापन दरें विश्व क्रिकेट में सबसे ज्यादा होती हैं। ये 10 सेकंड के स्लॉट के लिए 25 से 40 लाख रुपये के बीच रहती हैं। इस मैच से केवल विज्ञापन से ही करीब 300 करोड़ रुपये की आय हो जाती है। वहीं अन्य विश्वकप मैचों की कीमत करीब 138 करोड़ रुपये होती है। इस प्रकार देखा जाये तेा , भारत-पाकिस्तान मैच से होने वाली आय दोगुनी से अधिक है।

ऐसे में इस मैच के नहीं होने से प्रसारणकर्ताओं को विज्ञापन के अलावा अन्य स्त्रोतों से भी कम कमाई इेगी क्योंकि विश्वकप कप देखने वाले प्रशंसकों की संख्या भी घटेगी। इससे टूर्नामेंट के अन्य मैचों की कमाई भी घटना तय है। इस प्रकार प्रसारकों केा करीब 370 से 400 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है। ऐसे में आईसीसी के राजस्व में भी कमी आयेगी। इससे उसके सदस्य बोर्डों को मिलने वाली रकम भी कम हो जाएगी। ऐसे में भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे बड़े क्रिकेट बोर्ड पर भले ही अधिका प्रभाव न पड़े पर आईसीसी पर आधारित छोटे बोर्डों की मुश्कलें बढ़ जाएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार मैच रद होने की स्थिति में भारत और पाकिस्तान दोनों को करीब 200-200 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। बीसीसीआई इससे झेल लेगा पर पाक बोर्ड का दिवाला निकलना तय नजर आता है।

पीसीबी को आईसीसी की कुल कमाई का करीब 5.75फीसदी हिस्सा मिलता है, जो सालाना लगभग 34.5 मिलियन डॉलर होता। अब पीसीबी के स्वयं हटने से उसे बीमा सुरक्षा नहीं मिली है जिससे पीसीबी पर कानूनी कार्रवाई होने के साथ ही जुर्माना भी लगाया जा सकता है। आईसीसी प्रसारणकर्ताओं के नुकसान की भरपाई के लिए पीसीसी को दी जाने वाली राशि में बड़ कटौती कर सकती है।

पाकिस्तान के स्पिनर तारिक के एक्शन को भारतीय अंपायर ने सही बताया

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में सवाल उठे हैं। तारिक के एक्शन को ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरोन ग्रीन ने गलत बताया है। वहीं भारतीय अंपायर अनिल चौधरी ने कहा है कि आईसीसी के नियमों के अनुसार तारिक का ऐक्शन ठीक है। उन्होंने कहा, अभी तारिक के ऐक्शन को लेकर एक वीडियो मेरे पास आया है, । इसमें उनका जो ऐक्शन है थोड़ा साइड वाला है और थोड़ा अलग है वह थोड़ा रुककर गेंद डालते हैं, क्योंकि वो सारी गेंद एक ही तरह से डालते हैं और उनका जो आर्म है, उसमें बेंडिंग और स्ट्रेटनिंग नहीं है जो आईसीसी नियमों के अनुसार ठीक है। ऐसे में मेरे हिसाब से उनका ऐक्शन सही है। इस स्पिनर ने गत तीन महीने में केवल 3 ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि वे तीन सीरीजों में 3 मैच ही खेल पाये हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लाहौर में दूसरे टी20 मैच में उन्होंने 2.4 ओवर गेंदबाजी की। जिसमें 16 रन दिए और 2 विकेट हासिल किए। 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के करियर में उन्होंने 8 विकेट लिए हैं। इस गेंदबाज का पाक टीम एक रहस्यमयी स्पिनर के तौर पर कभी-कभी ही उपयोग करती है।

आईसीसी क्रिकेट की भलाई के लिए निष्पक्ष रहते हुए फैसला ले : अफरीदी

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार भारत-पाकिस्तान मुकाबला नहीं होने पर नाराजगी जतायी है। अफरीदी ने साथ ही कहा कि अब आईसीसी को इस मामले में निष्पक्ष रहते हुए कोई फैसला लेना चाहिये। अफरीदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जब राजनीति संवाद के दरवाजे बंद कर देती है तो क्रिकेट दरवाजे खोल सकता है। यह दुखद है कि इस बार पाक टीम विश्वकप में भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी। साथ ही कहा कि वह अपनी सरकार के भारत के खिलाफ मैच से बाहर रहने के फैसले का समर्थन करते हैं। दोनो ही टीमों के बीच ये मैच 15 फरवीर को कोलंबो में होना था। अफरीदी के अलावा मोहम्मद यूसुफ और राशिद लतीफ, मोइन खान और सरफराज अहमद जैसे पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने भी सरकार के भारतीय टीम का बहिष्कार करने के फैसले का समर्थन किया है। लतीफ ने कहा, आईसीसी ने जिस तरह बांग्लादेश के साथ व्यवहार किया या हाल के वर्षों में जिस तरह वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सामने झुकी है, ऐसे में किसी न किसी को कठोर रूख अपनाने की जरुरत थी।। मोइन ने कहा, अब आईसीसी को देखना होगा कि वह विश्व क्रिकेट के व्यापक हित में किस तरह से आगे बढ़ना चाहता है। सरफराज ने कहा कि वह पाक टीम को भारत के खिलाफ खेलने की अनुमति न मिलने के कारणों को समझ सकते हैं। वहीं पाक टीम के कप्तान सलमान अली ने कहा कि उनकी टीम विश्वकप में हार मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से श्रीलंका जाएगी। उन्होंने कहा, हमारे तीन अन्य ग्रुप मैच हैं और हम सभी जीतकर अगले दौर के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगे। पाकिस्तान टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

भारतीय निशानेबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि ! अगले साल भारत में होगी एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग चैंपियनशिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजी प्रेमियों के लिए एक उत्साहजनक खबर है। भारत अगले साल एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह टूर्नामेंट न केवल एशियाई देशों के शीर्ष निशानेबाजों को एक मंच प्रदान करेगा, बल्कि इसमें खिलाड़ियों के पास सीधे ओलंपिक कोटा हासिल करने का सुनहरा अवसर भी होगा। भारत को यह मेजबानी मिलना देश की विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन का प्रमाण है।

यह भारतीय निशानेबाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी क्योंकि वह पहले ही एक अन्य ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी हासिल कर चुका है। एशियाई प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए आठ स्थान अगले वर्ष 21 से 30 अप्रैल तक दिल्ली में होने वाले विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में उपलब्ध 12 कोटा स्थानों के अतिरिक्त होंगे। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की।

एनआरएआई ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली में होगा और इसकी तिथियों को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ (एएससी) ने पत्र में कहा, ''हम भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी हासिल करने पर बधाई देते हैं, जहां लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान वितरित किए जाएंगे।'' पीटीआई के पास मौजूद पत्र में कहा गया है, ''हमें पूरा विश्वास है कि आपके (एनआरएआई) नेतृत्व में चैंपियनशिप का आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप होगा और यह एक सफल प्रतियोगिता साबित होगी।''

देव को उम्मीद है कि इन प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय निशानेबाज ओलंपिक में अपना स्थान सुरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे खिलाड़ियों को दो ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका मिलेगा जो उन्हें अपनी धरती पर खेलने हैं और जिनमें वे अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल कर सकते हैं। मैं एएससी के महासचिव इंजीनियर अल ओतैबी और उनकी टीम का विश्वस्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की भारत की क्षमता पर विश्वास बनाए रखने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।''

एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने पीटीआई से कहा, ''यह ऐतिहासिक अवसर होगा जबकि भारत दो ओलंपिक कोटा प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा और हमें इस पर बहुत गर्व है। हम नयी दिल्ली में करणी सिंह रेंज में आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन (21-30 अप्रैल) और राइफल एवं पिस्टल में एशियाई चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''एशियाई चैंपियनशिप की तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी, लेकिन हमें बहुत खुशी है कि अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने प्रमुख प्रतियोगिताओं की सफल मेजबानी करने की हमारी क्षमताओं पर भरोसा दिखाया है। इससे निशानेबाजी में भारत के बढ़ते प्रभाव और आईएसएसएफ का हम पर भरोसे का पता चलता है।''

सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत इन दोनों प्रतियोगिताओं का पूरा फायदा उठाकर अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल करेगा। आईएसएसएफ ने पेरिस ओलंपिक खेलों के चक्र के दौरान विश्व कप में ओलंपिक क्वालीफिकेशन कोटा नहीं देने का फैसला किया था, लेकिन लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के चक्र के लिए कोटा स्थान देने का फैसला किया है।

सिंह ने कहा, ''उम्मीद है कि भारतीय निशानेबाज इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे। हमारा लक्ष्य देश के लिए आवंटित सभी 24 स्थानों का कोटा हासिल करना है जो पेरिस ओलंपिक के लिए हासिल किए गए 22 कोटा स्थान से अधिक है।'' दिल्ली में बुधवार से इस वर्ष की एशियाई चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) का आयोजन किया जाएगा। इसमें जूनियर और सीनियर वर्ग में 20 देशों के 300 से अधिक निशानेबाज भाग लेंगे।

प्रभास ने की राशा थडानी की तारीफ

अभिनेत्री राशा थडानी ने फिल्म लईकी लईका के गाने छाप तिलक से गायन की शुरुआत की है। फिल्म द राजा साब के स्टार प्रभास ने राशा के गायन प्रतिभा की खूब सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी है।

प्रभास ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में राशा थडानी का गाना छाप तिलक शेयर किया और लिखा, वाह, शानदार शुरुआत राशा थडानी। तुम्हारा प्रदर्शन सच्चा, भावपूर्ण और दिल से निकला हुआ है। बधाई हो। राशा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रभास का आभार जताते हुए लिखा, प्रभास सर, मैं हमेशा आभारी रहूंगी।

फिल्म लईकी लईका एक आने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें राशा मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ अभय वर्मा हैं। फिल्म की पहली झलक में स्ट्रीट स्टाइल और आधुनिक ग्रैफिटी का मिश्रण दिखता है। पहले पोस्टर में अभय और राशा एक संकरी, धुंधली गली में एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए। अभय ने गहरे रंग की टेक्सचर्ड जैकेट पहनी है, जो फटी हुई है। राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है, जिस पर खून के छींटे लगे हुए हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का लेखन और निर्देशन सौरभ गुप्ता ने किया है। सह-निर्माता भावना दत्ता तलवार और राघव गुप्ता हैं। राशा और अभय की फिल्म लईकी लईका 2026 की गर्मियों में रिलीज हो सकती है।

मेधा राणा ने बताया कैसा रहा बॉर्डर-2 की शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर-2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। बॉर्डर-2 जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने आईएएनएस से कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे-धीरे यकीन कर पा रही हूं। फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढ़ियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं।

बॉर्डर-2 में बॉर्डर से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं। फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

ऋषभ शेट्टी ने कांतारा चैप्टर 1 के निर्देशन को लेकर लिखी खास बात

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चैप्टर 1 पिछले साल 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

वहीं ऋषभ ने कांतारा चैप्टर 1 की कई बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही एक खास नोट भी लिखा है। ऋषभ शेट्टी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर कांतारा चैप्टर 1 की सेट से कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन सभी तस्वीरों में वह आस-पास के लोगों को सीन समझाते नजर आ रहे हैं।

इस पोस्ट के साथ ऋषभ ने कैप्शन में लिखा, अपने किरदारों को जीवंत बनाना निर्देशन का सबसे अच्छा हिस्सा है। इसके साथ ही ऋषभ ने आगे लिखा, एक नया कर्ज लेना ठीक है। फैंस ने कमेंट कर लिखा है कि ऋषभ को ऑस्कर मिलना चाहिए। वहीं कई फैंस ने उनकी अगली फिल्म की रिलीज को लेकर सवाल किए हैं।

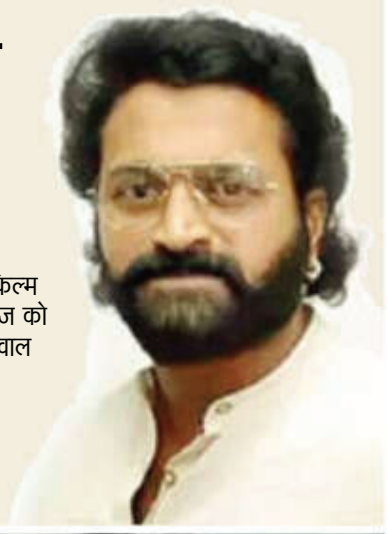

पारुल गुलाटी ने फिल्म 'तू या मैं' में अपनी भूमिका को लेकर की बात

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तू या मैं' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। अब फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री पारुल गुलाटी ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात की।

तू या मैं में पारुल गुलाटी शनाया कपूर की करीबी दोस्त और मैनेजर लैरा का किरदार निभा रही हैं। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा कि मैं सचमुच बहुत खुश हूं और ईमानदारी से कहूं तो अभी भी इस किरदार को पूरी तरह से समझने की कोशिश कर रही हूं। लैरा शनाया की दोस्त और मैनेजर है, जो मजबूती से उसका साथ देती है। उससे सवाल करती है, उसका समर्थन करती है और बहुत ही वास्तविक है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि वह सिर्फ एक सहायक किरदार नहीं है। वह कहानी में एक महत्वपूर्ण भावनात्मक कड़ी है और इतने यादगार संवाद का हिस्सा बनना पहले से ही अविश्वसनीय लग रहा है।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि एक अभिनेत्री और एक निर्माता के तौर पर यह मेरे लिए अब तक का सबसे बेहतरीन कोलैबरेशन है। आनंद एल राय की दुनिया इतनी नाटकीय, बहुआयामी और भावनात्मक रूप से समृद्ध है, यह उस तरह का सिनेमा है जिसकी मैं हमेशा से प्रशंसक रही हूं और जिसका हिस्सा बनना चाहती थी। मुझे यकीन नहीं हो रहा क्योंकि यह एक बड़े पर्दे की भव्य और दिल को छू लेने वाली फिल्म का हिस्सा बनने का एक दुर्लभ, जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर जैसा लगता है। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित तू या मैं का निर्माण आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने मिलकर किया है। फिल्म में आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 13 फरवरी को वेलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी।

कोहरा 2 में अपने किरदार को लेकर बोले बरुन सोबती

दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली वेब सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। पहली सीरीज की कहानी, रहस्य और रहस्यमयी वातावरण दर्शकों को इतना पसंद आया कि इसके दूसरे सीजन का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था।

इस बार की कहानी में रहस्य और मामले पहले से भी ज्यादा जटिल होंगे। इस बार भी अभिनेता बरुन सोबती अपने पहले वाले किरदार अमरपाल गारुडी के रूप में नजर आएंगे। सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बरुन ने कहा, इस सीजन में गारुडी पहले से ज्यादा सतर्क है। वह हर कदम पर सोच-विचार करता है और अपने फैसलों और विकल्पों का लगातार मूल्यांकन करता है। गारुडी इस बार नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहता है, लेकिन कोहरा की दुनिया में बीते समय और पुराने अनुभव उसे पीछे नहीं छोड़ते। रहस्य इस बार और गहरा है और केस की जटिलता उसकी मानसिक स्थिति और फैसलों में भी दिखती है। बरुन ने कहा, इस सीजन ने मुझे अभिनेता के रूप में नई चुनौतियां दी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी में गहराई से जुड़ेंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गारुडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गारुडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है। यह सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

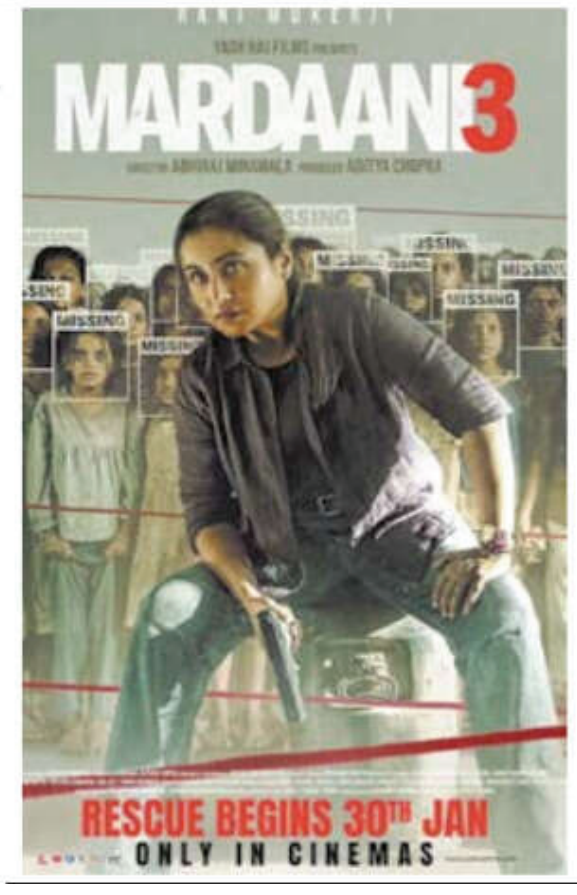

मर्दानी से थप्पड़ तक - बदली हीरोइन की परिभाषा बॉलीवुड ने महिलाओं की आवाज को बनाया ताकत

भारत में बेटियों के प्रति सामाजिक सोच बदलने और उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को गुरुवार को 11 साल पूरे हो गए हैं। बॉलीवुड ने महिला केंद्रित कहानियों के जरिए समाज को प्रेरित करने का काम किया। 2014 के बाद रिलीज हुई कई फिल्मों ने यह संदेश दिया कि महिलाएं न सिर्फ अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, बल्कि अपने निर्णयों से समाज में बदलाव भी ला सकती हैं।

मर्दानी - रानी मुखर्जी की मर्दानी फ्रैंचाइजी लोगों की पसंदीदा है। अब इस फ्रैंचाइजी का तीसरा पार्ट जल्द ही आने वाला है। इसमें रानी ने शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया। 2014 में रिलीज हुई फिल्म मर्दानी में शिवानी एक निडर पुलिस अधिकारी हैं, जो महिला उत्पीड़न और अपराध के खिलाफ लड़ती हैं। गोपी पुथरान के निर्देशन में बनी यह क्राइम थ्रिलर फिल्म पुरुष प्रधान मानसिकता के खिलाफ लड़ती है। रानी मुखर्जी ने अपने किरदार में भाव, चाल और फेमिनिस्ट रवैये के साथ पूरी फिल्म का भार अपने कंधों पर उठाया, जबकि विशाल जेठवा ने विलन के रूप में सस्पेंस और डर का असर बढ़ाया।

थप्पड़ - अनुभव सिन्हा की फिल्म थप्पड़ ने घरेलू हिंसा और पारिवारिक दबाव की उन कहानियों को पर्दे पर उतारा, जिनमें अक्सर महिलाएं अपने हक के लिए खड़ी नहीं हो पातीं। 2020 में रिलीज हुई फिल्म में तापसी पन्नू ने अमृता के किरदार में एक सामान्य गृहिणी के रूप में दिखाया कि कैसे एक छोटे से थप्पड़ ने उसकी जिंदगी बदल दी और उसने अपने हक के लिए आवाज उठाई। फिल्म में कई औरतों के जीवन की कहानियों को दिखाया गया, जिसके जरिए समझाया गया कि हर महिला अपने अधिकार के प्रति संवेदनशील होती है।

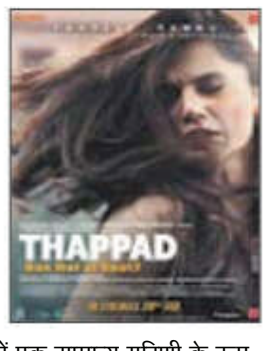

हिचकी - 2018 में रिलीज हुई फिल्म हिचकी में रानी मुखर्जी ने एक अलग ही भूमिका निभाई। फिल्म में वह टीचर नैना माथुर के किरदार में टॉरेट सिंड्रोम जैसी चुनौती का सामना करती हैं। 18 स्कूलों से रिजेक्ट होने के बावजूद नैना अपने सपनों को पूरा करने और बच्चों को पढ़ाने के अपने जुनून में लगी रहती हैं। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह कॉमेडी ड्रामा समाज में उन बीमारियों और मानसिक चुनौतियों के प्रति जागरूकता फैलाती है, जिन्हें अक्सर हल्के में लिया जाता है। रानी का किरदार बताता है कि आत्मविश्वास और धैर्य से हर महिला अपने सपनों को सच कर सकती है।

डियर जिंदगी - 2016 में रिलीज हुई फिल्म में आलिया भट्ट और शाहरुख खान ने ऐसी कहानी प्रस्तुत की, जो मानसिक स्वास्थ्य और खुद को समझने के महत्व पर आधारित है। आलिया का किरदार कायरा अपनी जिंदगी की उलझनों और डर से जूझती है और मनोचिकित्सक शाहरुख खान उसे खुद को समझने और खुश रहने का तरीका सिखाते हैं। गौरी शिंदे के निर्देशन में बनी यह फिल्म महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के संदेश को बखूबी पेश करती है।

राजी - फिल्म राजी में आलिया भट्ट ने सहमत का किरदार निभाया, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय देश की खातिर पाकिस्तान में जासूस बन जाती है। 2018 में रिलीज हुई फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया। यह थ्रिलर न केवल देशभक्ति की कहानी बताती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि महिलाएं अपने साहस और बुद्धिमानी से किसी भी मुश्किल परिस्थिति में सफल हो सकती हैं।

द केरल स्टोरी- निर्देशक सुदीप्तो सेन की फिल्म द केरल स्टोरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी फातिमा उर्फ शालिनी (अदा शर्मा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी सहेलियों गीतांजलि (सिद्धि इदनानी), निमाह (योगिता बिहानी) और आसिफा (सोनिया बलानी) के साथ नर्सिंग स्कूल में एडमिशन लेती है, लेकिन इस दौरान वे कट्टरपंथी संगठनों के जाल में फंस जाती हैं। अदा शर्मा का किरदार डर, पीड़ा और बेचैनी के बावजूद अपनी पहचान और स्वतंत्रता की लड़ाई को मजबूती से दिखाता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने ईरान को फिर दी धमकी, कहा- समंदर में तैनात है यूएस नेवी

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को फिर से धमकी दी है। तेहरान की बयानबाजी के बीच अमेरिका ने ईरान के आसपास सेना तैनात कर दी है। वहीं, डोनल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ डील पूरी होने की उम्मीद जताई है। फ्लोरिडा में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने बेशक ईरान के पास सेना तैनात की है, लेकिन हम अभी भी कूटनीति के रास्ते हल तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। डोनल्ड ट्रंप ने कहा, हमारे पास दुनिया के सबसे बड़े और शक्तिशाली जहाज हैं, जो ईरान के बेहद करीब हैं। अगर हम डील नहीं करते हैं, तो हमें पता लगाना होगा कि कहां कमी रह गई है। ट्रंप ने ईरान को धमकी देते हुए कहा, हमारे पास काफी बड़े, शक्तिशाली जहाज हैं, जो ईरान की तरफ बढ़ रहे हैं। वो डील नहीं करना चाहते हैं, लेकिन मुझे पूरी उम्मीद है कि ये डील हो जाएगी। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो देखते हैं कि फिर हम क्या कर सकते हैं? ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने साफ किया था कि अगर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया, तो इसका असर पूरे मिडिल ईस्ट पर पड़ेगा। खामेनेई ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, अमेरिकियों को पता होना चाहिए कि अगर उन्होंने युद्ध शुरू किया तो इससे पूरा क्षेत्र प्रभावित होगा।

2 साल के लिए बंद रहेगा कैनेडी सेंटर? ट्रंप ने दिया आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह दो साल के लिए वॉशिंगटन के कैनेडी सेंटर परफॉर्मिंग आर्ट्स सेंटर को कंस्ट्रक्शन के लिए बंद कर देंगे। व्हाइट हाउस लौटने के बाद से यह इस मशहूर जगह को बदलने की दिशा में उनका ताजा कदम है। इस बात की घोषणा उन्होंने सोशल मीडिया पर की। उन्होंने कहा कि उनके प्रस्ताव को फर्स्ट लेडी पर बनी डॉक्यूमेंट्री मेलानिया के प्रीमियर के कुछ दिनों बाद केनेडी सेंटर के बोर्ड से मंजूरी मिलनी थी, जिसमें उनके चुने हुए सहयोगी भरे हुए हैं। ट्रंप खुद सेंटर के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के चेयरमैन हैं। ट्रंप ने क्या कहा? ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, कई बहुत सम्मानित एक्सपर्ट्स से मिले इनपुट के आधार पर लिया गया यह महत्वपूर्ण फैसला। एक थके हुए, टूटे-फूटे और खस्ताहाल सेंटर को, जो कई सालों से आर्थिक और स्ट्रक्चरल दोनों तरह से खराब हालत में था, उसे कला, संगीत और मनोरंजन का वर्ल्ड क्लास गढ़ बना देगा। न तो ट्रंप और न ही ट्रंप के सहयोगी केनेडी सेंटर के प्रेसिडेंट रिक ग्रेनेल ने बिल्डिंग के खराब हालत में होने के अपने दावों को साबित करने के लिए कोई सबूत दिया है। इस अचानक फैसले से निश्चित रूप से विरोध होगा क्योंकि ट्रंप इस लोकप्रिय जगह को बदल रहे हैं। यह एक नेशनल कल्चरल सेंटर के तौर पर शुरू हुआ था, लेकिन 1964 में राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की मौत के बाद कांग्रेस ने इसका नाम बदलकर उनके लिए एक जीवित स्मारक कर दिया था। 1971 में खुला यह सेंटर, नेशनल सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा सहित कलाओं के लिए एक पब्लिक शोकेस के तौर पर पूरे साल खुला रहता है।

लैपटॉप पर उंगलियां चलाता मर गया युवक! मौत के 8 घंटे बाद भी फोन पर मिलता रहा काम

बीजिंग, एजेंसी। चीन में 32 साल के एक प्रोग्रामर की लंबे समय तक लगातार काम करने के बाद अचानक मौत हो गई है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इस युवक का नाम गाओ गुआंगहुई था। उनके परिवार का कहना है कि उनकी मौत का मुख्य कारण जरूरत से ज्यादा काम (ओवरवर्क) था। इस घटना के बाद चीन के सोशल मीडिया पर काम के दबाव और निजी जिंदगी के संतुलन को लेकर बड़ी बहस शुरू हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में प्रमोशन मिलने के बाद गाओ को टीम लीडर बनाया गया था। इसके बाद उनके लिए देर रात तक काम करना और ओवरटाइम करना आम बात हो गई थी। उनकी प पत्नी ली कई बार उनसे कहती थीं कि वह समय पर घर लौटें और अपनी सेहत का ख्याल रखें। ली ने भावुक होते हुए कहा, अगर मैं समय पीछे ले जा पाती, तो मैं उन्हें नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर कर देती। यह दुखद घटना 29 नवंबर 2025 की है। उस दिन सुबह गाओ ने उठते ही तबीयत खराब महसूस की, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने घर से ही काम करना जारी रखा। कुछ समय बाद उनकी हालत और बिगड़ गई और वह अचानक बेहोश हो गए। परिवार वाले उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टरों ने दोपहर में उन्हें मृत घोषित कर दिया। मेडिकल रिपोर्ट में मौत का कारण अचानक दिल का दौरा (कार्डियक अरेस्ट) बताया गया। मौत के बाद भी आता रहा काम का मैसेज इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि गाओ की मौत के आठ घंटे बाद भी उनके फोन पर काम से जुड़ा एक मैसेज आया। इसमें उनसे तुरंत एक जरूरी निरीक्षण करने के लिए कहा गया था। इस घटना ने चीन में काम के अत्यधिक दबाव वाले माहौल पर भारी गुस्सा पैदा कर दिया है। इस मामले के बाद सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या नौकरी इंसान की जान से ज्यादा जरूरी है? हालांकि, चीन के श्रम कानून के अनुसार किसी कर्मचारी को दिन में 8 घंटे और सप्ताह में 44 घंटे से ज्यादा काम नहीं करना चाहिए।

30 लाख से ज्यादा पन्ने, तस्वीरें और वीडियो... दुनिया में खलबली मचाने वाली है एपस्टीन फाइल्स?

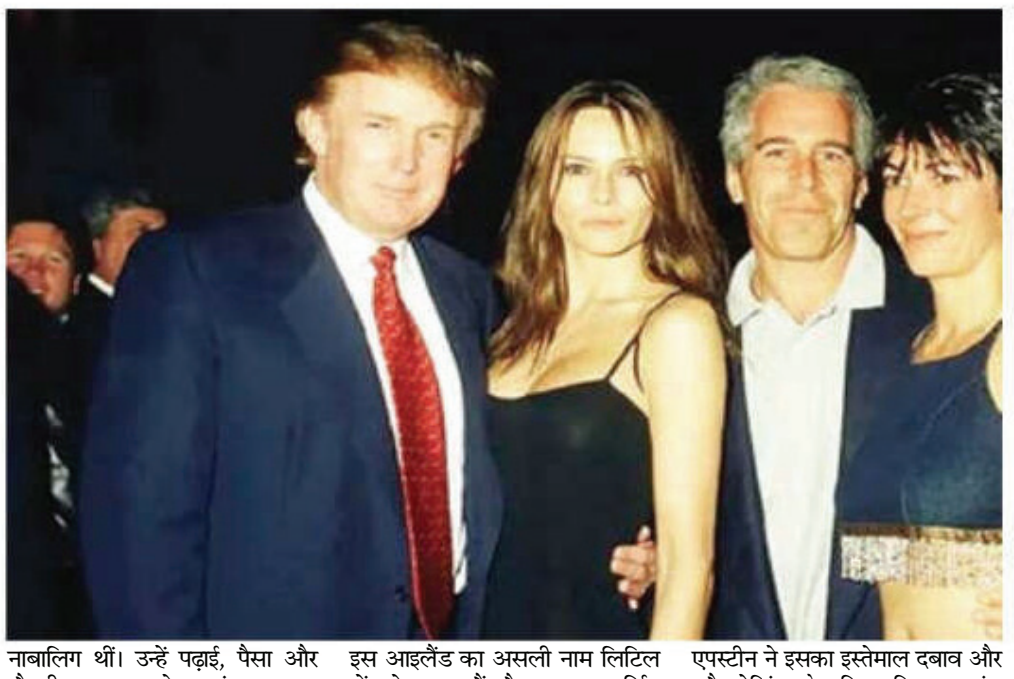

वाशिंगटन, एजेंसी। जेफ्री एपस्टीन की फाइल्स एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अमेरिकी न्याय विभाग ने शुक्रवार (30 जनवरी) को यौन अपराधी से जुड़े दस्तावेजों का एक नया सेट जारी किया है। फाइलों के इस नए सेट में कुछ ऐसे नाम सामने आए हैं, जिनके बारे में पहले पता नहीं था और जिनका संबंध दोषी सेक्स अपराधी से था।

गौर करने वाली बात यह है कि दस्तावेजों में जिन लोगों के नाम हैं, उनमें से किसी पर भी एपस्टीन के संबंध में गलत काम करने का औपचारिक रूप से आरोप नहीं लगाया गया है।

क्या हैं एपस्टीन फाइल्स : दरअसल, एपस्टीन फाइल्स अमेरिका के कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एप्सटीन से जुड़े सरकारी दस्तावेज हैं, जो उसकी यौन तस्करी और शोषण के मामलों से जुड़े हैं। अमेरिकी न्याय विभाग ने पारदर्शिता कानून के तहत इन्हें सार्वजनिक किया है। इन फाइल्स से जुड़े कुल मिलाकर 30 लाख से ज्यादा पन्ने जारी किए गए हैं। इनमें 2 हजार से ज्यादा वीडियो और लगभग 1 लाख 80 हजार तस्वीरें शामिल हैं। हालांकि, पीड़ितों की सुरक्षा को देखते हुए कई हिस्से अभी भी छिपाए गए हैं।

कौन था जेफ्री एपस्टीन : एपस्टीन एक अमेरिकी फाइनेंसर था और उसने अमीर और ताकतवर लोगों से रिश्ते बनाए हुए थे। उसके ऊपर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण और तस्करी के गंभीर आरोप लगे। जांच में पता चला है कि कई पीड़ित लड़कियां नाबालिग थीं। उन्हें पढ़ाई, पैसा और नौकरी का लालच देकर फंसाया गयाष फिर उनका यौन शोषण किया गया। इस मामले ने अमेरिका के साथ-साथ पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया। 2008 में उसे दोषी ठहराया गया और गिरफ्तार भी किया गया। अपने मजबूत संबंधों के दम पर वह रिहा हुआ लेकिन 2019 में उसे फिर से गिरफ्तार किया गया। इसी साल न्यूयॉर्क की जेल में उसे मृत पाया गया।

एपस्टीन आइलैंड : एपस्टीन फाइल्स के साथ-साथ एपस्टीन आइलैंड की भी जमकर चर्चा हो रही है। इस आइलैंड का असली नाम लिटिल सेंट जेम्स आइलैंड है। यह यूएस वर्जिन आइलैंड्स में स्थित एक प्राइवेट द्वीप था। इस पर एपस्टीन ने कब्जा कर रखा था। पीड़ितों की अगर मानें तो इसी आइलैंड पर एपस्टीन ने कई अपराध किए और इसी वजह से इसे एपस्टीन आइलैंड कहा जाने लगा।

खेला गया ब्लैकमेलिंग का खेल : आरोप लगा है कि एपस्टीन ने अमीर, ताकतवर और मशहूर लोगों की आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बनवाए। अपना काम निकलवाने के लिए एपस्टीन ने इसका इस्तेमाल दबाव और ब्लैकमेलिंग के लिए किया। जांच एजेंसियों को इससे संबंधित कई डिजिटल सबूत भी मिले हैं। हालांकि कई सबूतों को अभी भी गोपनीय रखा गया है।

किन लोगों के नाम सामने आए : एपस्टीन फाइल्स में जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, वह पूरी दुनिया में मशहूर हैं। इनमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, मौजूदा राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप, एंड्रयू माउंटबेटन, एलन मस्क और बिल गेट्स जैसी मशहूर हस्तियां शामिल हैं।

अब तक 200 बागियों की मौत, आग और बारूद का साया... धमाकों से दहला बलूचिस्तान

इस्लामाबाद , एजेंसी। जपाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हालात तेजी से बेकाबू होते नजर आ रहे हैं। बीते कुछ दिनों से पूरा इलाका हिंसा, धमाकों और सैन्य कार्रवाई की चपेट में है। शनिवार को बलोच विद्रोहियों के हमलों से हिले पाकिस्तान ने अब बड़े पैमाने पर जवाबी अभियान छेड़ दिया है। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों का दावा है कि करीब 40 घंटे चले ऑपरेशन में 200 से ज्यादा विद्रोहियों को मार गिराया गया है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने क्वेटा में मीडिया को बताया कि यह आंकड़ा अलग-अलग छापेमारी और व्यापक तलाशी अभियानों में मारे गए लोगों को मिलाकर तैयार किया गया है। उनके मुताबिक यह आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई मानी जा रही है।

कई जिलों में एक साथ हमला, भारी जानमाल का नुकसान : इससे पहले बलूच विद्रोहियों ने एक साथ कई जिलों को निशाना बनाया था। क्वेटा, ग्वादर, मस्तुंग और नोश्की में हुए हमलों में 17 सुरक्षाकर्मी और 31 आम नागरिक मारे गए थे. हमलों की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली थी। इसके बाद सेना, पुलिस और आतंकवाद-रोधी बलों ने पूरे प्रांत में संयुक्त अभियान शुरू कर

दिया, जिसमें हेलीकॉप्टर, बख्तरबंद वाहन और स्पेशल यूनिट्स तैनात की गईं।

बिना सबूत भारत पर आरोप, नई दिल्ली ने किया खंडन : हिंसा के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत पर आरोप लगाए हैं। पाकिस्तानी सेना और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि इन हमलों के पीछे भारत का हाथ है, हालांकि इन दावों के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए गए भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक समस्याओं और नाकामियों से ध्यान हटाने के लिए हर बार इसी तरह के आरोप लगाता है. उन्होंने कहा कि हिंसा की जड़ें बलूचिस्तान में लंबे समय से चली आ रही शिकायतों, दमन और मानवाधिकार उल्लंघनों से जुड़ी हैं। इसी बीच बीएलए ने हिंसा और तेज करने का संकेत दिया है। संगठन ने ऐलान किया है कि उसने 'ऑपरेशन हेरॉफ' के दूसरे चरण की शुरुआत कर दी है, जिसमें सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जाएगा।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा ड्रोन हमला, बस को बनाया निशाना, 15 लोगों की मौत

मास्को, एजेंसी। यूक्रेन के निप्रो शहर पर रूसी ड्रोन हमले में खनिकों को ले जा रही बस को निशाना बनाया गया जिसमें 15 लोग मारे गए। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने रविवार को यह जानकारी दी। आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, इस हमले में सात अन्य लोग घायल हो गए और कुछ जगह आग भी लग गई जिस पर बाद में काबू पा लिया गया। यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके ने कहा कि बस उसकी थी और उसने रूस पर निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में डीटीईके की खदानों पर बड़े पैमाने पर आतंकवादी हमला करने का आरोप लगाया। इस क्षेत्र की राजधानी निप्रो है। कंपनी ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा, हमलों में से एक का केंद्र कंपनी की एक बस थी जो निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में ड्यूटी पूरी होने के बाद कंपनी से खनिकों को ले जा रही थी।

अफगानिस्तान में 170 किलो अवैध मादक पदार्थ बरामद, दो गिरफ्तार : काबुल, एजेंसी। पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में पुलिस ने एक वाहन से 170 किलो अफीम और हशीश बरामद की है। गुप्त जानकारी के आधार पर शनिवार को वाहन को रोका गया और खोज के दौरान मादक पदार्थ छिपे हुए पाए गए। वाहन में सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया, जो कथित रूप से अवैध तस्करी करने का प्रयास कर रहे थे। प्रारंभिक पूछताछ के बाद आरोपियों को न्यायिक अधिकारियों के हवाले किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि प्रांत में किसी को भी मादक पदार्थ का उत्पादन या तस्करी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इससे पहले, खोस्त प्रांत में 18 किलो हशीश और जवज़्जान व तख़ार प्रांतों में भी विभिन्न मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई अफगान अधिकारियों की अवैध ड्रग उत्पादन और तस्करी रोकने की निरंतर कोशिशों का हिस्सा है।

एपस्टीन फाइलों में नाम आने पर स्लोवाकिया के एनएसए का इस्तीफा, ब्रिटेन के पूर्व राजकुमार एंड्रयू पर भी दबाव

लंदन/वाशिंगटन, एजेंसी। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री राबर्ट फिको के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने जेफरी एपस्टीन से संबंधित नई फाइलों के सामने आने के बाद इस्तीफा दे दिया, जिनमें पता चला है कि दोनों ने युवतियों के बारे में ईमेल का आदान-प्रदान किया था।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मिरोस्लाव लाजैक ने किसी भी प्रकार की गलती से इन्कार किया। उन्होंने इसे अनौपचारिक और हल्के-फुल्के अंदाज में ईमेल का आदान-प्रदान बताया।

आखिर क्यों दिया इस्तीफा : उन्होंने कहा कि वह इस्तीफा इसलिए दे रहे हैं, ताकि इस स्थिति का इस्तेमाल प्रधानमंत्री पर हमला करने के लिए न किया जाए। फिको ने शनिवार को घोषणा की कि

उन्होंने लाजैक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से संबंधित लाखों नई फाइलें शुक्रवार को प्रकाशित की थीं।

गवाही देने के लिए एंड्रयू पर बढ़ रहा दबाव : ब्रिटेन के विवादों में घिरे पूर्व राजकुमार एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर पर इस सप्ताहांत में अमेरिका की उस समिति के समक्ष गवाही देने का दबाव बढ़ रहा है जो यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन के अपराधों की सीमा की जांच कर रही है। एक दूसरी महिला ने आरोप लगाया है कि एपस्टीन उसे 2010 में तत्कालीन राजकुमार एंड्रयू के साथ यौन संबंध बनाने के लिए ब्रिटेन ले गया था। यह मुलाकात विंडसर कैसल स्थित उनके रायल लाज आवास पर हुई थी।

कई शक्तिशाली लोगों के नाम शामिल : एपस्टीन फाइलों में कई शक्तिशाली लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें पूर्व राजकुमार एंड्रयू माउंटबेटन- विंडसर से लेकर एलन मस्क तक के नाम शामिल हैं। इसके अलावा प्रमुख नामों में वर्जिन ग्रुप के अरबपति संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन, न्यूयार्क जायंट्स के को-आनर स्टीवन टिश, इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बराक और अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक आदि शामिल हैं।

बलूचिस्तान में ऑपरेशन हेरोफ का कहर: बीएलए ने जारी की दो महिला हमलावरों की फोटो, ISI हेडक्वार्टर को बनाया था निशाना!

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान का सबसे बड़ा और अशांत प्रांत बलूचिस्तान एक बार फिर दहल उठा है। प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ऑपरेशन हेरोफ (ब्लैक स्टॉर्म) के दूसरे चरण के तहत पूरे प्रांत में समन्वित हमले किए हैं। इन हमलों में अब तक 17 सुरक्षाकर्मियों सहित लगभग 50 लोगों की जान जा चुकी है। इस बार के हमलों ने दुनिया का ध्यान इसलिए खींचा क्योंकि इसमें महिला फिदायीन (आत्मघाती हमलावरों) का इस्तेमाल किया गया है। वहीं बीएलए ने दो महिला हमलावरों की तस्वीरें जारी की हैं जिनमें से एक की पहचान 24 वर्षीय आसिफा मेंगल के रूप में हुई है।

महिला हमलावर आसिफा मेंगल : बीएलए ने दो महिला हमलावरों की तस्वीरें जारी की हैं जिनमें से एक की पहचान 24 वर्षीय आसिफा मेंगल के रूप में हुई है। नुश्की की रहने वाली आसिफा ने अपने 21वें जन्मदिन पर बीएलए की मजीद ब्रिगेड जॉइन की थी।जनवरी 2024 में उसने फिदायीन बनने का फैसला किया और शनिवार को नुश्की स्थित पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ढ्स्ढ के मुख्यालय को निशाना बनाया। एक वीडियो संदेश में उसने बलूच नागरिकों से एकजुट होने और पाकिस्तान के खिलाफ हथियार उठाने की अपील की है। ऑपरेशन हेरोफ और सेना का जवाब पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच पिछले 40 घंटों से खूनी जंग जारी है। पाकिस्तान के कनिष्ठ मंत्री तलाल चौधरी के अनुसार, हमलावर नागरिक वेशभूषा में स्कूलों, बैंकों और अस्पतालों में घुस गए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। नुश्की, हब, चमन, नसीराबाद, ग्वादर और मकरान जैसे क्षेत्रों में एक साथ हमले किए गए। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने बताया कि अब तक 140 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया है। सेना का दावा है कि उग्रवादियों के किसी भी शहर या रणनीतिक ठिकाने पर कब्जे की कोशिश को नाकाम कर दिया गया है।

बलूचिस्तान में अशांति की वजह क्या है : बलूचिस्तान क्षेत्रफल के लिहाज से पाकिस्तान का सबसे बड़ा लेकिन आर्थिक रूप से सबसे पिछड़ा प्रांत है। यहां गैस और खनिजों का भंडार है लेकिन बलूच समूहों का आरोप है कि पाकिस्तान सरकार और विदेशी कंपनियां (खासकर चीन) उनका शोषण कर रही हैं। बीएलए जैसे अलगाववादी समूह दशकों से पूर्ण स्वतंत्रता और संसाधनों में बड़े हिस्से की मांग को लेकर सशस्त्र विद्रोह कर रहे हैं।

2026 की GDP ग्रोथ में यूएस से आगे निकला भारत, एलन मस्क बोले- बदल रहा पावर बैलेंस

न्यूयार्क, एजेंसी। 31 जनवरी को वर्ल्ड ऑफ स्टेटिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया गया। इस पोस्ट में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड को क्रेडिट देते हुए जारी की गई एक रिपोर्ट थी, जिसमें बताया गया कि ग्लोबल इकोनॉमिक ग्रोथ में भारत, अमेरिका से आगे निकल गया है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने वर्ल्ड ऑफ स्टेटिक्स की पोस्ट को री-शेयर किया और लिखा, सत्ता का संतुलन बदल रहा है।

अमेरिका से आगे निकला भारत 2026 में ग्लोबल इकोनॉमिक ग्रोथ में योगदान के मामले में भारत को अमेरिका से आगे बताया गया है। दुनिया भर में होने वाले अनुमानित विस्तार में भारत का हिस्सा 17 प्रतिशत है, जबकि अमेरिका 9.9 प्रतिशत पर है। आईएमएफ की जारी की गई रिपोर्ट में चीन सबसे आगे है। 2026 में चीन की जीडीपी ग्रोथ 26.6 प्रतिशत बताई गई है, जिसका मतलब है कि ये दोनों एशियाई अर्थव्यवस्थाएं मिलकर अब ग्लोबल ग्रोथ का 43.6 प्रतिशत हिस्सा चला रही हैं। एलन मस्क भारत की तरक्की पर करीब से नजर रख रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दो बार मिल चुके हैं और भारत में अपनी कंपनी के लिए बेहतर जगह की तलाश कर रहे हैं। निर्मला सीतारमण ने दोहराई मस्क की बात बजट 2026 पर यूथ डायलॉग में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एलन मस्क के पोस्ट को लेकर अपनी बात रखी। वित्त मंत्री ने कहा, एलन मस्क IMF के डाटा का हवाला देते हुए कहते हैं वाह, क्या यह सच है। निर्मला सीतारमण ने आगे कहा, ग्लोबल ग्रोथ में चीन का योगदान 26 प्रतिशत है। भारत का योगदान 17 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, ग्लोबल ग्रोथ का 43 प्रतिशत इन दोनों इकोनॉमी से आता है।

खत्म कर देंगे भारत और चीन के बीच का गैप : वित्त मंत्री ने आगे कहा, लेकिन भारत के विपक्ष को भी यह समझना चाहिए कि यह उस तरह की ताकत है जो भारत ने अब हासिल की है। चीन के बाद दूसरे नंबर पर, गैप बड़ा हो सकता है, 26 और 17, लेकिन हम इसे पाट देंगे। निर्मला सीतारमण ने आगे कहा, लेकिन हमें यह आत्मविश्वास होना चाहिए कि, एक बड़ी इकोनॉमी के साथ, जो बिल्कुल हमारे पड़ोस में है, हम ग्लोबल ग्रोथ में 43 प्रतिशत का योगदान करते हैं।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों के खिलाफ यूएस में आक्रोश, शिकागो से लॉस एंजिलिस तक सड़कों पर उतरे अमेरिकी हिंदू

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर लक्षित हमलों का विरोध करते हुए हिंदू अमेरिकियों ने लगभग दो दर्जन शहरों में शांतिपूर्ण रैलियां और प्रार्थना सभाएं आयोजित कीं। उन्होंने अमेरिकी सांसदों और अंतरराष्ट्रीय निकायों से कार्रवाई करने का आग्रह किया। प्रिंसटन, लॉस एंजिलिस, शिकागो, बे एरिया, डेट्राइट और टैंपा सहित कई शहरों में प्रदर्शन हुए। आयोजकों ने कहा कि समन्वित विरोध प्रदर्शनों का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और जवाबदेही तय करना था। बांग्लादेशी हिंदुओं के समर्थन में हुए एकत्रित प्रिंसटन में एक रैली में एक वक्ता ने कहा कि वे सभी बांग्लादेश में नरसंहार का सामना कर रहे बांग्लादेशी हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के समर्थन में एकत्रित हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले साल से 3,000 से अधिक हमले हुए हैं। प्रदर्शनकारी ने मांग की, आवाज उठाने का समय आ गया है। इसे रोकने का समय आ गया है। डेट्राइट में प्रदर्शनकारियों ने इसे धीरे-धीरे हो रहा नरसंहार बताया और कहा कि हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने समर्थकों से अपने सांसदों से संपर्क करने, स्थानीय स्तर पर एकजुट होने और वाशिंगटन में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया। वाशिंगटन डीसी में नौ फरवरी को कांग्रेस की सुनवाई निर्धारित की गई है।

बांग्लादेश में राजनीतिक दमन और लक्षित हिंसा जारी, जेल में बंद अवामी लीग के नेता की मौत : ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत राजनीतिक दमन और लक्षित हिंसा जारी है। अवामी लीग से जुड़े एक नेता की जेल में मौत हो गई। वहीं, एक कार्यकर्ता की हत्या का मामला सामने आया है। चटगांव में अवामी लीग के 70 वर्षीय नेता अब्दुर रहमान मिया की जेल में मौत हो गई। परिवार के सदस्यों के अनुसार, फेफड़ों के गंभीर कैंसर और कई अन्य समस्याओं के बावजूद उन्हें जमानत और पर्याप्त चिकित्सा उपचार से वंचित रखा गया। उन्हें 17 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, नरसिंगदी में 45 वर्षीय पूर्व छात्र लीग नेता अजीमुल कादर भुइयां का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया। छात्र लीग, अवामी लीग का छात्र संगठन है। पार्टी नेताओं का दावा है कि हत्या में जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ता शामिल थे। हालांकि, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने किसी भी राजनीतिक मकसद की पुष्टि नहीं की है। दिनाजपुर में बीएनपी के चुनाव कार्यालय में तोड़फोड़ बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के चुनाव प्रचार कार्यालय में तोड़फोड़ की गई। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं ने कार्यालय पर हमला किया, कुर्सियां और मेजें तोड़ दीं और बैनर तथा चुनाव प्रचार सामग्री फाड़ दीं। हमले के दौरान कार्यालय में मौजूद दो बीएनपी कार्यकर्ताओं पर भी हमला किया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com